सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 92 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 14 जनवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

प्रयागराज महाकुंभ : मकर संक्रांति पर पहला अमृत स्नान

अमृत स्नान के लिए संगम तट पर जुटे 1 करोड़ श्रद्धालु, तीन स्लॉट में अखाड़ों के संतों ने किया शाही स्नान, सीएम योगी आदित्यनाथ ने दी बधाई

प्रयागराज ए.। प्रयागराज महाकुंभ का आगाज हो चुका है। पौष पूर्णिमा यानी 13 जनवरी को पहले स्नान के बाद दूसरे दिन मकर संक्रांति पर पहला अमृत स्नान संपन्न हुआ। मकर संक्रांति के पर्व पर कई अखाड़ों के नागा साधुओं ने संगम में पवित्र डुबकी लगाई। इस दौरान संगम तट पर अद्भुत नजारा देखने को मिला। हर-हर महादेव, जय श्रीराम के जयघोष करते लाखों लोगों ने शाही स्नान किया। एक अनुमान के अनुसार अमृत स्नान के लिए महाकुंभ में एक करोड़ श्रद्धालु पहुंचे हैं। पहले अमृत स्नान के बाद यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर महाकुंभ की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि यह हमारी सनातन संस्कृति और आस्था का जीवंत स्वरूप है। आज आस्था के महापर्व 'मकर संक्रांति' के पावन अवसर पर महाकुंभ-2025, प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर प्रथम अमृत स्नान कर पुण्य अर्जित करने वाले सभी श्रद्धालुओं को बधाई।

महाकुंभ में पहले अमृत स्नान के लिए अखाड़ों के संतों एवं नागाओं के स्नान का समय तय है। सबसे पहले महानिर्वाणी एवं अटल अखाड़े के संतों ने स्नान किया। शिविर से इस अखाड़े के संतों ने सुबह करीब सवा पांच बजे प्रस्थान किया। संगम पर सवा छह बजे पहुंचे। करीब 40 मिनट तक अमृत स्नान किया। इनके बाद निरंजनी एवं आनंद अखाड़ा के संतों ने 7.05 बजे स्नान किया। इसी क्रम में जूना, आवाहन एवं पंच अग्नि अखाड़ा के संतों ने एक साथ सुबह आठ बजे स्नान किया। अमृत स्नान को जाते समय नागा संन्यासियों की चरण रज लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने देर रात से ही अखाड़ा मार्ग पर डेरा डाल दिया। यहां तैनात सुरक्षाकर्मियों ने कई दफा उनको हटाया लेकिन, कुछ देर बाद दोबारा श्रद्धालु वहां आ जाते। देर रात तक हजारों श्रद्धालु अखाड़ा मार्ग पर डेरा डाले दिखाई दिए।

हर तरफ हर-हर गंगे का उद्घोष

प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं का रेला उमड़ा है। कोई हनुमान चालीसा पाठ करता हुआ आगे बढ़ रहा है तो कोई हर-हर गंगे के जय उद्घोष के साथ संगम की ओर बढ़ रहा है। कंपकंपाती ठंड के बीच संगम में डुबकी लगाने के लिए लोग कई-कई किमी पैदल चलकर घाट तक पहुंचे। अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया व एशिया के विभिन्न देशों से आए श्रद्धालु भी महाकुंभ में पहुंचे हैं। सियाराम जय राम, जय जय राम। गंगा मैया की जय। बोलो बजरंग बली की जय। ऐसे जयकारे महाकुंभ के मेला क्षेत्र में हर तरफ गूंजते रहे।

मकर संक्रांति पर पूरे साढ़े नौ घंटे तक चला अमृत स्नान

प्रयागराज महाकुंभ में मकरसंक्रांति पर्व पर अमृत स्नान का पूरा शेड्यूल पूरे 9 घंटे 30 मिनट का बनाया गया। सुबह सवा 6 बजे पहले स्नान के बाद दोपहर बाद 3 बजकर 40 मिनट तक अखाड़ों का शाही स्नान चलता रहा। इस दौरान सभी को अलग अलग स्लॉट दिए गए। हर स्लाट में स्नान का समय 40 से 55 मिनट का समय दिया गया। पूरे दिन महाकुंभ में संतो का जमावड़ा लगा रहा। उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि सुबह सात बजे तक वहां 98 लाख 20 हजार लोगों ने स्नान कर लिया था। तय समय के बाद भी स्नान होता रहा। दिनभर में लगभग 1 करोड़ से अधिक लोगों ने अमृत स्नान किया है।

राजिम कुंभ : 52 एकड़ में फैला नया मेला स्थल, हैलीपैड भी बनेगा

12 से 26 फरवरी तक होगा रजिम कुंभ का आयोजन, बैठक में तैयारियों पर चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रयाग के रूप में प्रसिद्ध राजिम में अगामी माह के 12 से 26 फरवरी तक त्रिवेणी संगम में राजिम कुंभ कल्प का भव्य आयोजन किया जाएगा। राजिम कुंभ के भव्य आयोजन नये मेला स्थल में होगा। इसके लिए जोर-शोर से तैयारियां शुरू कर दी गई है। नए मेला स्थल पर मीना बाजार से लेकर पार्किंग तक व्यवस्था रहेगी। साथ की यहां हेली पैड भी बनाया जा रहा है। राजिम कुंभ के आयोजन को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप देने सोमवार को बैठक हुई जिसमें राजिम विधायक रोहित साहू, पूर्व सांसद चंदूलाल साहू, पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय, रायपुर संभाग के आयुक्त महादेव कावरे, गरियाबंद कलेक्टर दीपक अग्रवाल सहित धमतरीं, महासमुंद एवं रायपुर और गरियाबंद जिले के वरिष्ठ अधिकारी, उप संचालक संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग प्रतापचंद पारख आदि शामिल हुए।

बैठक में बताया गया कि आगामी माह में होने वाले कुंभ कल्प आयोजन लगभग 52 एकड़ क्षेत्र में फैले नया मेला स्थल में होगा। नया मेला स्थल में श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। राजिम कुंभ आयोजन स्थल में व्यवस्थित रूप से दुकानों और विभागीय स्टॉल के साथ-साथ मीना बाजार भी लगाए जाएंगे। यहां आने वाले लोगों की सुविधा के लिए पार्किंग की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा हेलीपैड भी बनाया जाएगा।

मेला स्थल को जोड़ने बनेंगी सड़क

बैठक में संभाग आयुक्त श्री कावरे ने बताया कि राजिम मेला 12 से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित की जाएगी। गंगा आरती स्थल से नए मेला स्थल तक नदी किनारे कनेक्टिंग रोड का निर्माण किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं के आने-जाने में आसानी होगी। इसके लिए उन्होंने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को आवश्यक कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही घाट निर्माण, मरम्मत एवं आसपास साफसफाई भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पुराने स्थल पर संत समागम व गंगा आरती

बैठक में बताया गया कि पुराने स्थल में केवल संत समागम एवं गंगा आरती का आयोजन होगा। इसके अलावा सभी आयोजन एवं गतिविधियां नए मेला स्थल में आयोजित की जाएगी। पुराने स्थल पर कोई भी अस्थाई दुकान लगाने की अनुमति नहीं होगी। सभी अस्थाई दुकान नई जगह पर लगाई जाएगी। संभाग आयुक्त श्री कावरे ने नए स्थल पर लगने वाले मीना बाजार एवं पार्किंग स्थल के लिए टेंडर प्रक्रिया के लिए जरूरी कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए।

विभागों को सौंपे गए दयित्व

राजिम कुंभ कल्प की तैयारी के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को पेयजल आपूर्ति, अस्थाई शौचालय निर्माण, पाइपलाइन एवं पानी टंकी की तैयारी समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग को अस्थाई अस्पताल सहित पर्याप्त मात्रा में एंबुलेंस एवं अन्य मेडिकल सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार विद्युत विभाग को लाइटिंग की व्यवस्था, पुलों पर लाइटिंग के साथ सजावट, मेला स्थल में टावर लाइट एवं पार्किंग स्थल में लाइट आदि की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। वन विभाग को बांस बल्ली की व्यवस्था, जलाऊ लकड़ी, साधुओं के लिए कुटिया निर्माण के लिए घास की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। खाद्य विभाग को नया मेला स्थल में पर्याप्त संख्या में दाल भात केंद्र खोलने खोलने के निर्देश दिए गए। पुलिस विभाग को सुरक्षा के पर्याप्त व्यवस्था, सीसीटीवी, कंट्रोल रूम एवं फायर ब्रिगेड आदि की व्यवस्था के लिए निर्देश दिए गए। नगरीय प्रशासन विभाग को साफसफाई, कचरा निष्पादन, डस्टबिन की पर्याप्त संख्या सहित मंदिर एवं धार्मिक स्थलों का रंग रोगन एवं साफसफाई के निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि दुकानों का आबंटन एसडीएम की अध्यक्षता में गठित समिति के द्वारा की जाएगी। इसके लिए भी तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए।

महाकुंभ के यात्रियों के लिए सौगात, दुर्ग से टूंडला के बीच चार स्पेशल ट्रेनों की सुविधा

श्रीकंचनथ न्यूज

भिलाई। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान संगम में स्नान करने के लिए प्रयागराज आने वाले यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधाएं प्रदान करने रेलवे द्वारा लगातार सुविधाएं दी जा रही हैं। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा दुर्ग- टूंडला कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन द3ुर्ग से टूंडला के बीच व्हाया रायपुर, भाटापारा, उसलापुर, पेंड्रा रोड अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, न्यू कटनी जंक्शन, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर प्रयागराज फ्तेहपुर, गोविंदपुरी इटावा के मार्ग से चलाई जा रही है ।

बता दें महाकुंभ मेले के दौरान ट्रेन में होने वाली अतिरिक्त भीड़-भाड़ के दौरान रेल यात्रियों को अधिक से अधिक कन्फर्म बर्थसीट की सुविधा उपलब्ध कराने स्पेशल ट्रेनों की सुविधा दी जा रही है। महाकुंभ के दौरान रेलवे के दौरान 3000 स्पेशल गाडियां सहित 13000 से अधिक रेल गाडियां चलायी जाएंगी।

इन ट्रेनों की मिल रही सुविधा

- गाड़ी संख्या 08793 दुर्ग टूंडला कुंभ मेला स्पेशल दिनांक 19 जनवरी 2025 को 19.20 बजे दुर्ग से रवाना होकर रायपुर 20.10 बजे, भाटापारा 21.00 बजे, उसलापुर 22.00 बजे, पेंड्रा रोड 23.48 बजे होते हुए अनूपपुर, शहडोल, कटनी, मैहर के रास्ते अगले दिन (20 जनवरी 2025 को) 11:10 बजे प्रयागराज होते हुए 20. 15 बजे टूंडला जंक्शन पहुंचेगी।
- गाड़ी संख्या 08794 टूंडला दुर्ग कुंभ मेला स्पेशल दिनांक 21 जनवरी 2025 को सुबह 5:00 बजे टूंडला से रवाना होकर 13:00 बजे प्रयागराज पहुंचेगी मैहर, कटनी के रास्ते होते हुए अगले दिन (22 जनवरी 2025 को) 01.50 बजे उसलापुर, 2.43 बजे भाटापारा, 3:30 बजे रायपुर, होते हुए 5:00 बजे दुर्ग पहुंचेगी।
- गाड़ी संख्या 08795 दुर्ग टूंडला कुंभ मेला स्पेशल दिनांक 15 फरवरी 2025 को 19.20 बजे दुर्ग से रवाना होकर रायपुर 20.10 बजे, भाटापारा 21.00 बजे, उसलापुर 22.00 बजे, पेंड्रा रोड 23.48 बजे होते हुए अनूपपुर, शहडोल, कटनी, मैहर के रास्ते अगले दिन (16 फरवरी 2025 को) 11:10 बजे प्रयागराज होते हुए 20.15 बजे टूंडला जंक्शन पहुंचेगी।
- गाड़ी संख्या 08796 टूंडला दुर्ग कुंभ मेला स्पेशल दिनांक 17 फ्रवरी 2025 को 16.00 बजे टूंडला से रवाना होकर 01:00 बजे प्रयागराज पहुंचेगी मैहर, कटनी के रास्ते होते हुए अगले दिन (18 फरवरी 2025 को) 14.20 बजे उसलापुर, 15.13 बजे भाटापारा, 16:55 बजे रायपुर, होते हुए 18:20 बजे दुर्ग पहुंचेगी।

अब तो दिल्ली वालों के मजे ही मजे

श्रीकंचनपथ

दिल्ली में प्रदूषण और ठंड से लोग भले ही हलाकान हों पर आने वाले समय में उनके मजे ही मजे होंगे। दिल्ली देश का वह राज्य है जहां यही समझ में नहीं आता कि यहां केन्द्र सरकार की चल रही है या राज्य सरकार की। 28 दिसम्बर 2013 से दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है। 2013 में आप ने 28 सीटें जीती थीं। तब उसने कांग्रेस की मदद से यहां सरकार बनाई थी। तभी से यहां एलजी और सरकार के बीच ठनी हुई है। पर आम आदमी पार्टी ने ऐसी योजनाएं लागू कीं जिसके कारण यह केजरीवाल का अभेद्य गढ़ बन गया। देश भर में जहां बीजेपी का डंका बजता रहा वहीं दिल्ली में उसे बार-बार मुंह की खानी पड़ी है। इस बीच केजरीवाल तिहाड़ के मेहमान बन चुके हैं। उनका स्थान लेने वाली आतिशी कई बार रो चुकी हैं। दिल्ली सरकार की योजनाओं को देश भर में रेवड़ी कहा जाता है। पार्टी के कई नेता छिटककर भाजपा के पाले में जा चुके हैं। वहां जाते ही उन्होंने पार्टी नेता केजरीवाल के खिलाफमोर्चा भी खोला है पर आप अभी तक टस से मस नहीं हुई है। आखिर क्या हैं वो योजनाएं जिसके कारण आप का दिल्ली पर एकछत्र राज कायम हो गया? दरअसल, आम आदमी पार्टी 2015 से दिल्ली के लोगों को 200 यूनिट तक फ्री बिजली, 20 हजार लीटर तक फ्री पानी, महिलाओं को बसों में फ्री सफर, अस्पतालों में फ्री इलाज और बुजुर्गों को निशुल्क तीर्थ यात्रा करा रही है। आगामी चुनाव के लिए पार्टी ने फिर से सत्ता में आने पर महिलाओं को 2500 रुपये, 60 साल से ऊपर सभी बुजुर्गों का इलाज, पुजारी-ग्रंथियों को 1,800 रुपये प्रति महीना, दलित छात्रों को स्कॉलरशिप, ऑटो वालों को 10 लाख का बीमा और 24 घंटे साफ पानी देने का वायदा किया है। कांग्रेस और भाजपा को छोड़कर शेष सभी पार्टियां आप के साथ दिखाई दे रही हैं। आप को भले ही रेवड़ी संस्कृति के लिए दोषी ठहराया जाता हो पर अब यह सभी दलों की मजबूरी बन चुकी है। कांग्रेस ने सत्ता में आने पर महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये देने तथा शिक्षित बेरोजगार युवाओं को प्रतिमाह 8,500 हजार देने का वायदा किया है। वहीं भाजपा ने कहा है कि यदि वह सत्ता में आती है तो आप सरकार की सभी योजनाएं जारी रहेंगी और उन्हें बेहतर ढंग से लागू किया जाएगा। इसके साथ ही सभी झुग्गी-झोपड़ी वालों को पक्के मकान दिए जाएंगे। यह राजनीतिक शून्यता के लक्षण हैं। देश को झूठी तसल्ली और उम्मीदें दे-देकर थक चुकी सरकारें अब उन्हें सीधे रिश्वत देने पर आमादा हैं। इसके लिए समाज का नए ढंग से विभाजन हो रहा है। पहले आधी आबादी को अलग कर लिया गया और अब रोजगार पैदा करने की बजाय फोकस एक बार फिर बेरोजगारी भत्ते पर है। राष्ट्र को आगे ले जाने का यह नया मॉडल है?

संपादकीय

ईश्वर के आंनद, स्वामी विवेकानन्द

12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में अवतरित वेदान्त के विख्यात और प्रभावशाली, आध्यात्मिक गुरु, स्वामी विवेकानन्द का बचपन का नाम वीरेश्वर रखा गया, किन्तु उनका औपचारिक नाम नरेन्द्रनाथ दत्त था। पिता विश्वनाथ दत्त कलकत्ता हाईकोर्ट के एक प्रसिद्ध वकील थे। 30 वर्ष का अल्पायु में उन्होंने अमेरिका स्थित शिकागो में सन् 1893 में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व किया था। भारत का आध्यात्मिकता से परिपूर्ण वेदान्त दर्शन अमेरिका और यूरोप के हर एक देश में स्वामी विवेकानन्द की वक्तृता के कारण ही पहुँचा। उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी जो आज भी जगत के कल्याण के लिए क्रियाशील है। वे रामकृष्ण परमहंस के सुयोग्य शिष्य थे। उन्हें विश्व धर्म महासभा में 2 मिनट का समय दिया गया था किन्तु उन्हें प्रमुख रूप से उनके भाषण का आरम्भ मेरे अमेरिकी बहनों एवं भाइयों के साथ करने के लिये जाना जाता है। उनके संबोधन के इस प्रथम वाक्य ने सबका दिल जीत लिया था।

> *अलौकिक, 4 जुलाई 1902 को देवलोकगामी 39 वर्ष के संक्षिप्त जीवनकाल में स्वामी विवेकानन्द जो काम कर गये वे आने वाली अनेक शताब्दियों तक पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने एक बार कहा था- यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानन्द को पढ़िये।*

उनमें आप सब कुछ सकारात्मक ही पायेंगे, नकारात्मक कुछ भी नहीं। रोमां रोलां ने उनके बारे में कहा था उनके द्वितीय होने की कल्पना करना भी असम्भव है, वे जहाँ भी गये, सर्वप्रथम ही रहे। हर कोई उनमें अपने नायक का दिग्दर्शन करता था। वे ईश्वर के आनंद, स्वरूप थे और सब पर प्रभुत्व प्राप्त कर लेना ही उनकी विशिष्टता थी। हिमालय प्रदेश में एक बार एक अनजान यात्री उन्हें देख ठिठक कर रुक गया और आश्चर्यपूर्वक चिल्ला उठा-'शिव!' यह ऐसा हुआ मानो उस व्यक्ति के आराध्य देव ने अपना नाम उनके माथे पर लिख दिया हो।

अभिभूत, स्वामी विवेकानन्द केवल सन्त ही नहीं, एक महान देशभक्त, वक्ता, विचारक, लेखक और मानव-प्रेमी भी थे। महात्मा गांधी को आजादी की लड़ाई में जो जन-समर्थन मिला, वह विवेकानन्द के आह्वान का ही फल था। इस प्रकार वे भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के भी एक प्रमुख प्रेरणा के स्रोत बने। उनका विश्वास था कि पवित्र भारतवर्ष धर्म एवं दर्शन की पुण्यभूमि है। यही संन्यास एवं त्याग की भूमि है। उनके कथन 'उठो! जागो, स्वयं जागकर औरों को जगाओ। अपने नर-जन्म को सफल करो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाये। अजर-अमर है। जो उनकी जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय युवा दिवस पर सार्थक होगा।

यथेष्ट, स्वामी विवेकानंद ने और कहा था, जितना बड़ा संघर्ष होगा जीत उतनी ही शानदार होगी। एक समय में एक काम करो, और ऐसा करते समय अपनी पूरी आत्मा उसमे डाल दो और बाकी सब कुछ भूल जाओ। पढ़ने के लिए जरूरी है एकाग्रता, एकाग्रता के लिए जरूरी है ध्यान। विस्तार जीवन है, संकुचन मृत्यु है। प्रेम जीवन है, घृणा मृत्यु है। शक्ति ही जीवन है, दुर्बलता ही मृत्यु है। स्तुत्य, स्वामी जी ने जन जागरूकता बढ़ाने, हिंदू धर्म को पुनर्जीवित करने और राष्ट्रवाद के विचार में अतुलनीय योगदान दिया। जो मानव कल्याण के निहितार्थ सदा-सर्वदा कालजयी है।

परीक्षाओं पर संदेह का साया

उत्तरी राज्यों में सरकारी नौकरियों में भर्ती की तमाम परीक्षाओं पर संदेह का साया घिरा हुआ है। पेपर इतनी बार लीक हुए हैं या इन्हें अदालतों ने रद्द किया है कि परीक्षाओं को लेकर अविश्वास का माहौल बनना लाजिमी है। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की संयुक्त (प्रारंभिक) परीक्षा में शामिल हुए छात्र दोबारा इम्तहान की मांग को लेकर जिस ढंग से जान दांव पर लगाए हुए हैं, उसके कारणों को समझना बेहद जरूरी है। इसके दो प्रमुख आयाम हैः पहला यह कि उत्तरी राज्यों में सरकारी नौकरियों में भर्ती के होने वाली तमाम परीक्षाओं की संदिग्ध हो चुकी है। पेपर इतनी बार लीक हुए हैं या गड़बड़ियों के आरोप में इन्हें इतनी बार अदालतों ने रद्द किया है कि परीक्षाओं को लेकर अविश्वास का माहौल बना चुका है।

दूसरा पहलू समाज में अच्छे रोजगार के अवसरों का बेहद सिकुड़ जाना है। इस कारण सरकारी नौकरियां ही स्थिर करियर का एकमात्र आश्वासन रह गई हैं। बिहार एवं उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में, जहां निजी कारोबार में सम्मानजनक काम पाने की गुंजाइशें बेहद सीमित हैं, वहां इन नौकरियों को लेकर मारामारी मचने की मिसालें और भी ज्यादा देखने को मिल रही हैं। पटना की सड़कों पर बिहार के विभिन्न इलाकों से आए सैकड़ों छात्र दो हफ्तों से कड़ी ठंड के बीच बीपीएसी परीक्षा को दोबारा आयोजित करने की मांग इसलिए कर रहे हैं, क्यों उन्हें पेपर लीक का शक है। छात्रों ने परीक्षा में कई दूसरी तरह की अनियमितताओं के आरोप भी लगाए हैं। इनमें प्रश्न पत्र के स्तरहीन होने और कोचिंग संस्थानों के मॉडल सवालों के मेल खाने के इल्जाम शामिल हैं।

आरोप है कि कई केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा और जैमर काम नहीं कर रहे थे। कुछ केंद्रों पर प्रश्न पत्र देरी से वितरित किए गए। परीक्षा से कुछ समय पहले भी ये छात्र पटना में इकट्ठा हुए थे। तब उनकी मांग थी कि सारे राज्य में एक ही दिन, एक ही समय, और एक ही प्रकार के प्रश्न पत्र पर इम्तहान लिया जाए। विरोध को देखते हुए अलग-अलग केंद्रों पर अलग परीक्षा आयोजित करने का इरादा बिहार लोक सेवा आयोग ने तब टाल दिया था। मगर परीक्षा के बाद दूसरे संदेह खड़े हुए। तो अब छात्रों की चिंताओं पर सहानुभूति से गौर किया जाना चाहिए। उन पर लाठी-डंडा या ठंडे पानी की बौछार चलाना कोई समाधान नहीं है, जैसाकि रविवार को हुआ।

प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुम्भ मेले का आध्यात्मिक व आर्थिक महत्व

नजरिया

हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार कुंभ मेला एक धार्मिक महाआयोजन है जो 12 वर्षों के दौरान चार बार मनाया जाता है। कुंभ मेले का भौगोलिक स्थान भारत में चार स्थानों पर फैला हुआ है और मेला स्थल चार पवित्र नदियों पर स्थित चार तीर्थस्थलों में से एक के बीच घूमता रहता है, यथा, (1) हरिद्वार, उत्तराखंड में, गंगा के तट पर; (2) मध्य प्रदेश के उज्जैन में शिप्रा नदी के तट पर; (3) नासिक, महाराष्ट्र में गोदावरी के तट पर; एवं (4) उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा, यमुना और पौराणिक अदृश्य सरस्वती के संगम पर।

प्रहलाद सबनानी

प्रत्येक स्थल का उत्सव, सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति की ज्योतिषीय स्थितियों के एक अलग सेट पर आधारित है। उत्सव ठीक उसी समय होता है जब ये स्थितियां पूरी तरह से व्याप्त होती हैं, क्योंकि इसे हिंदू धर्म में सबसे पवित्र समय माना जाता है। कुंभ मेला एक ऐसा आयोजन है जो आंतरिक रूप से खगोल विज्ञान, ज्योतिष, आध्यात्मिकता, अनुष्ठानिक परंपराओं और सामाजिक-सांस्कृतिक रीति-रिवाजों और प्रथाओं के विज्ञान को समाहित करता है, जिससे यह ज्ञान में बेहद समृद्ध हो जाता है।

कुम्भ मूल शब्द कुम्भक (अमृत का पवित्र घड़ा) से आया है। ऋग्वेद में कुंभ और उससे जुड़े स्नान अष्ठान का उल्लेख है। इसमें इस अवधि के दौरान संगम में स्नान करने से लाभ, नकारात्मक प्रभावों के उन्मूलन तथा मन और आत्मा के कायाकल्प की बात कही गई है। अथर्ववेद और यजुर्वेद में भी कुम्भ के लिए प्रार्थना लिखी गई है। इसमें बताया गया है कि कैसे देवताओं और राक्षसों के बीच समुद्र मंथन से निकले अमृत के पवित्र घड़े (कुंम्भ) को लेकर युद्ध हुआ। ऐसा माना जाता है कि भगवान विष्णु ने मोहिनी का रूप धारण कर कुंम्भ को लालची राक्षसों के चंगुल से छुड़ाया था। जब वह इस स्वर्ग की ओर लेकर भागे तो अमृत की कुछ बूंदे चार पवित्र स्थलों पर गिरीं जिन्हें हम आज हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और प्रयागराज के नाम से जानते हैं। इन्हीं चार स्थलों पर प्रत्येक तीन वर्ष पर बारी बारी से कुम्भ मेले का आयोजन किया जाता है।

कुंम्भ मेला दुनिया में कहीं भी होने वाला सबसे बड़ा सार्वजनिक समागम और आस्था का सामूहिक आयोजन है। लगभग 45 दिनों तक चलने वाले इस मेले में करोड़ों श्रद्धालु गंगा, यमुना और रहस्यमयी सरस्वती के पवित्र संगम पर स्नान करने के लिए आते हैं। मुख्य रूप से इस समागन में तपस्वी, संत, साधु, साध्वियां, कल्पवासी और सभी क्षेत्रों के तीर्थयात्री शामिल होते हैं।

कुंम्भ मेले में सभी धर्मों के लोग आते हैं, जिनमें साधु और नागा साधु शामिल हैं, जो साधना करते हैं और आध्यात्मिक अनुशासन के कठोर मार्ग का अनुसरण करते हैं, संन्यासी जो अपना एकांतवास छोड़कर केवल कुंभ मेले के दौरान ही सभ्यता का भ्रमण करने आते हैं, अध्यात्म के साधक और हिंदू धर्म का पालन करने वाले आम लोग भी शामिल हैं।

महाकुंभ 2025 में आयोजित होने वाले कुछ मुय स्नान पर्व निन प्रकार हैं -

मकर संक्रान्ति	14.01.2025
मौनी अमावस्या	29.01.2025
बसंत पंचमी	03.02.2025
माघी पूर्णिमा	12.02.2025
महाशिवरात्रि	26.02.2025

कुंभ मेले के दौरान अनेक समारोह आयोजित होते हैं; हाथी, घोड़े और रथों पर अखाड़ों का पारंपरिक जुलूस, जिसे 'पेशवाई' कहा जाता है, 'शाही स्नान' के दौरान चमचमाती तलवारें और नागा साधुओं की रस्में, तथा अनेक अन्य सांस्कृतिक गतिविधियां, जो लाखों तीर्थयात्रियों को कुंभ मेले में भाग लेने के लिए आकर्षित करती हैं।

महाकुंभ मेला 2025 प्रयागराज में 13 जनवरी, 2025 से 26 फरवरी, 2025 तक आयोजित होने जा रहा है। यह एक हिंदू त्यौहार है, जो मानवता का एक स्थान पर एकत्र होना भी है। 2019 में प्रयागराज में अर्ध कुंभ मेले में दुनिया भर से 15 करोड़ पर्यटक आए थे। यह संख्या 100 देशों की संयुक्त आबादी से भी अधिक है। यह वास्तव में यूनेस्को द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में सूचीबद्ध है।

कुंभ मेला कई शताब्दियों से मनाया जाता है। प्रयागराज कुंभ मेले का सबसे पहला उल्लेख वर्ष 1600 ई. में मिलता है और अन्य स्थानों पर, कुंभ मेला 14वीं शताब्दी की शुरुआत में आयोजित किया गया था। कुंभ मेला बेहद पवित्र और धार्मिक मेला है और भारत के साधुओं और संतों के लिए विशेष महत्व रखता है। वे वास्तव में पवित्र नदी के जल में स्नान करने वाले पहले व्यक्ति होते हैं। अन्य लोग इन साधुओं के शाही स्नान के बाद ही नदी में स्नान कर सकते हैं। वे अखाड़ों से संबंधित हैं और कुंभ मेले के दौरान बड़ी संख्या में आते हैं। घाटों की ओर जाते समय जब वे भजन, प्रार्थना और मंत्र गाते हैं, तो उनका जुलूस देखने लायक होता है।

कुंभ मेला प्रयागराज 2025 पौष पूर्णिमा के दिन शुरू होता है, जो 13 जनवरी 2025 को है और 26 फरवरी 2025 को समाप्त होगा। यह पर्यटकों के लिए भी जीवन में एक बार आने वाला अनुभव है। टेंट और कैंप में रहना आपको एक गर्मजोशी भरा एहसास देता है और रात में तारों से भरे आसमान को देखना अपने आप में एक अलग ही अनुभव है। कुंभ मेले में सत्संग, प्रार्थना, आध्यात्मिक व्याख्यान, लंगर भोजन का आनंद सभी उठा सकते हैं। महाकुंभ मेला 2025 में गंगा नदी में पवित्र स्नान, नागा साधु और उनके अखाड़े से मिलें। बेशक, यह कुंभ मेले का नंबर एक आकर्षण है। कुंभ मेले के दौरान अन्य आकर्षण प्रयागराज में घूमने लायक जगहें हैं जैसे संगम, हनुमान मंदिर, प्रयागराज किला, अक्षयवट और कई अन्य। वाराणसी भी प्रयागराज के करीब है और हर पर्यटक के यात्रा कार्यक्रम में वाराणसी जाना भी शामिल है।

प्रयागराज का अपना एक एतिहासिक महत्व रहा है। 600 ईसा पूर्व में एक राज्य था और वर्तमान प्रयागराज जिला भी इस राज्य का एक हिस्सा था। उस राज्य को वत्स के नाम से जाना जाता था और उसकी राजधानी कौशाम्बी थी, जिसके अवशेष आज भी प्रयागराज के दक्षिण पश्चिम में स्थित है। गौतम बुद्ध ने भी अपनी तीन यात्राओं से इस शहर को सम्मानित किया था। इसके बाद, यह क्षेत्र मौर्य शासन के अधीन आ गया और कौशाम्बी को सम्राट अशोक के एक प्रांत का मुख्यालय बनाया गया। उनके निर्देश पर कौशाम्बी में दो अखंड स्तम्भ बनाए गए जिनमें से एक को बाद में प्रयागराज में स्थानांतरित कर दिया गया। प्रयागराज राजनीति और शिक्षा का केंद्र रहा है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय को पूरब का ऑक्सफोर्ड कहा जाता था। इस शहर ने देश को तीन प्रधानमंत्रियों सहित कई राजनैतिक हस्तियां दी हैं। यह शहर साहित्य और कला के केंद्र के साथ साथ भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का भी केंद्र रहा है।

प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुम्भ का आध्यात्मिक महत्व तो है ही, साथ ही, आज के परिप्रेक्ष्य में इस महाकुम्भ का आर्थिक महत्व भी है। प्रत्येक 3 वर्षों के अंतराल पर आयोजित होने वाले कुम्भ के मेले में करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु ईश्वर की पूजा अर्चना हेतु प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक एवं उज्जैन में पहुंचते हैं। प्रयग्राज में आयोजित तो रहे महाकुम्भ की 44 दिनों की इस इस पूरी अवधि में प्रतिदिन एक करोड़ श्रद्धालुओं के भारत एवं अन्य देशों से प्रयागराज पहुंचने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है, इस प्रकार, कुल मिलाकर लगभग 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुगण उक्त 44 दिनों की अवधि में प्रयागराज पहुंचेंगे। करोड़ों की संख्या में पहुंचने वाले इन श्रद्धालुगणों द्वारा इन तीर्थस्थलों पर अच्छी खासी मात्रा में खर्च भी किये जाने की सम्भावना है। जिससे विशेष रूप से स्थानीय अर्थव्यवस्था को तो बल मिलेगा ही, साथ ही करोड़ों की संख्या में देश में रोजगार के नए अवसर भी निर्मित होंगे एवं होटल उद्योग, यातायात उद्योग, पर्यटन से जुड़े व्यवसाय, स्थानीय स्तर के छोटे छोटे उद्योग एवं विभिन्न उत्पादों के क्षेत्र में कार्य कर रहे व्यापारियों के व्यवसाय में भी अतुलनीय वृद्धि होगी। इस प्रकार, देश की अर्थव्यवस्था को भी, महाकुम्भ मेले के आयोजन से बल मिलने की भरपूर सम्भावना है।

(ये लेखक के विचार हैं)

पूंजीवादी व्यवस्था और आदर्श समाज की स्थापना

भारत डोगरा

इतिहास के पृष्ठों में यह सवाल बार-बार उभरता रहा है कि किसी भी समय का कोई समाज आदर्श के कितना नजदीक या दूर रहा है, पर इसके बावजूद यह आदर्श समाज या देश कैसा होना चाहिए इसके बारे में मतभेद आज तक बने हुए हैं। अनेक बड़े स्वार्थ और ताकतें अपने हितों के अनुसार इस आदर्श समाज की सोच प्रस्तुत करते हैं और फिर अपने संसाधनों के भरपूर उपयोग से इस सोच का ही प्रचार-प्रसार करवाते हैं और अनुचित को उचित, गलत को सही सिद्ध करने का प्रयास करते हैं। इसका एक उदाहरण तो यह सोच है कि किसी एक देश का विश्व पर या बड़े क्षेत्र पर दबदबा या आधिपत्य उस देश का आदर्श है। इस तरह की सोच से किसी का भी भला नहीं होगा और बहुत सी हिंसा नाहक होगी पर शक्तिशाली देशों के असरदार व्यक्ति ऐसी सोच को तरह-तरह की आकषर्क शब्दावली में प्रस्तुत करते हैं तो उनका बहुत महिमा-मंडन किया जाता है क्योंकि शक्तिशाली और संसाधन संपन्नों को ऐसी सोच की जरूरत है।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पूंजीवादी और साम्यवादी देशों में एक होड़ थी कि किस व्यवस्था को विश्व में अधिक लोग अपने आदर्श के रूप में देखें और अपनाएं। दोनों व्यवस्थाओं ने अपना खूब प्रचार किया पर अपनी भीतरी समस्याओं और विसंगतियों को दूर नहीं किया। अतः पूंजीवादी व्यवस्था में शोषण और विषमता, पर्यावरण विनाश और युद्ध को बढ़ाने की प्रवृत्ति बनी रही तो साम्यवादी व्यवस्थाओं में अपने ही लोगों पर अत्याचार हुए और इसका पर्याप्त विरोध भी वहां नहीं किया जा सका।

सोवियत संघ के विघटन के बाद चीन ने भी पूंजीवादी देशों से सहयोग का रास्ता ही अपनाया और ऐसा लगा और प्रचारित भी हुआ कि अब तो पूंजीवाद की ही जीत है पर इस तरह की बहुत अनुकूल स्थितियों के बाद सबसे शक्तिशाली देशों ने युद्ध की प्रवृत्ति को छोड़ा नहीं अपितु विनाशकारी युद्धों और हमलों में दुनिया को उलझा दिया। यहां तक कि इस कारण तीसरे महायुद्ध का खतरा भी सामने आ गया। आक्रामकता के साथ पूंजीवाद की स्व-विनाशकारी प्रवृत्तियां भी नजर आई और अनुकूल स्थितियों के रहते हुए भी प्रमुख पूंजीवादी देशों (जैसे अमेरिका और ब्रिटेन) में बड़ी संख्या में लोग बुनियादी जरूरतों को जुटाने तक के लिए संघर्ष करते हुए पाए गए हैं, जबकि आज जर्मनी भी अपनी बिगड़ती आर्थिक स्थिति के बारे में बहुत चिंतित हैं। अतः बहुत अनुकूल स्थितियां मिलने पर भी पूंजीवादी व्यवस्था आदर्श समाज की स्थापना व्यापक और दीर्घ स्तर पर करने में विफल है। कुछ छोटे देशों ने थोड़े समय के लिए बेहतर परिणाम प्राप्त किए हैं, पर ये बहुत टिक नहीं पाए हैं (नार्वे, स्वीडन आदि देशों के अनुभव) और न ही ये पूंजीवाद की कुछ व्यापक विसंगतियों से बच पाए हैं। दूसरी ओर, पर्यावरण और छोटे किसानों के हितों की रक्षा न कर पाने, लोकतंत्र और लोकतांत्रिक विपक्ष को उचित मान्यता न देने के कारण साम्यवादी व्यवस्थाएं भी अपनी इस मान्यता को तेजी से खो रही हैं जो उन्होंने बहुत से न्यायप्रिय व्यक्तियों के बीच एक समय प्राप्त की थीं। इन निराशाओं के बावजूद मनुष्य की आदर्श व्यवस्था के लिए तलाश जारी रहेगी और अधिक सार्थक परिणाम के लिए उसे पहले की गलतियों से सीखते हुए ही आगे बढना होगा। मौजूदा समय विशेष कठिनाइयों का समय है क्योंकि अनेक पर्यावरणीय समस्याएं एक साथ विकट होती जा रही हैं, युद्ध अधिक खतरनाक होते जा रहे हैं और हथियार अधिक विनाशकारी होते जा रहे हैं। यह समय बहुत सावधानी से सही मार्ग खोजने का है, और उसी राह पर आगे बढने का है।

इस स्थिति में यदि आदर्श समाज को इस तरह परिभाषित कर सकें जो सरल होते हुए भी तर्कसंगत हो और जिसे बहुत से लोग आसानी से समझ कर अपना सकें तो यह बहुत उपयोगी होगा। आदर्श समाज वह समाज है जो न्याय और समता, अमन-शांति और लोकतंत्र, पर्यावरण, सामाजिक संबंधों की प्रगाढ़ता, ईमानदारी, महिला-सम्मान, भेदभाव की समाप्ति और सभी जीवन-रूपों के लिए करुणा पर आधारित है। इन सभी जीवन-मूल्यों को स्थानीय स्थितियों के आधार पर अपनाना चाहिए और इस तरह आदर्श समाज का रूप विश्व में विभिन्न स्थानों पर कुछ अलग जरूर होगा पर फिर भी चूंकि बुनियादी जीवन-मूल्य एक ही हैं, तो इसमें बहुत समानता भी होगी। यह सोच एक स्तर पर सरल और सीधी-सादी है और यह ऐसा गुण है जिसके आधार पर इसे बहुत से लोग आसानी से अपना सकते हैं। पर अपने समाज की विशेष स्थितियों में जब लोग यह तय करने के लिए एकत्र होंगे कि न्याय और समता की राह क्या है, अमन-शांति की राह क्या है, तो इस बारे में बहुत से अलग-अलग विचार सामने आएंगे। इस तरह जो पहली नजर में सीधा-सरल लगता है, उसमें अनेक विवाद भी आ सकते हैं। फिर भी यदि इन जीवन-मूल्यों को सही भावना से अपनाया गया है तो कोई बड़ी कठिनाई नहीं आएगी। विवादों का समाधान हो जाएगा। अमन-शांति और लोकतंत्र की सोच को जिन्होंने भली-भांति अपना लिया है, वे थोड़ा-बहुत लड़-झगड़ कर भी अंत में इन बुनियादी सिद्धांतों पर आधारित आदर्श समाज अपनी स्थानीय स्थितियों के अनुसार बना ही लेंगे।

यदि इस तरह के प्रयास विश्व के विभिन्न देशों में होते रहेंगे तो विभिन्न देशों में इस तरह के जीवन-मूल्यों पर आधारित सोच आगे आ सकेगी और उसे विभिन्न देशों में महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त हो सकेगा। इस तरह विभिन्न देशों में युद्ध और टकराव की संभावना को रोकने में मदद मिलेगी जो इस समय विश्व की बड़ी जरूरत है। इस व्यापक प्रयास से जुडने का पहला कदम तो यही है कि इन विभिन्न सिद्धांतों के आधार पर यानी न्याय, समता, अमन-शांति, पर्यावरण रक्षा, सभी जीवों के प्रति करुणा आदि के आधार पर हम अपने आसपास के परिवेश को देखने-समझने लगें, और गंभीर रचनात्मकता से सोचने लगें कि इसमें कहां, क्या, किस सुधार की जरूरत है। इस तरह के नजरिए से अपने आसपास के समाज को देखना और समझना ही इस दिशा में पहला कदम है, और अपने आप में सामाजिक प्रगति भी है। यह रचनात्मक प्रयास हो सकता है, और शिक्षा व्यवस्था में इसे महत्त्वपूर्ण स्थान मिलना चाहिए। बड़ी बात है कि हम अपने परिवेश को, समाज को उसके जड़ रूप में ही न देखते रहें, बल्कि इस ओर अधिक ध्यान दें कि न्याय की दृष्टि से बेहतर संबंधों, अमन-शांति की दृष्टि से इसे किस तरह का होना चाहिए। यदि नई पीढ़ी यह सोचते-विचारते हुए, इस बारे में अपनी समझ बनाते हुए अपना जीवन जीएगी तो निश्चय ही एक बेहतर दुनिया बनाने में बहुत मदद मिलेगी। दुर्भाग्यवश शिक्षा सुधारों में प्रायः इस तरह की सोच को अधिक महत्त्व नहीं दिया गया है, पर यदि यह हो सके तो यह एक महत्त्वपूर्ण कदम सही दिशा में होगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

टीम चयन में गलतियां

मनोज चतुर्वेदी

भारतीय टीम सिडनी टेस्ट में हार कर पिछले एक दशक में पहली बार ऑस्ट्रेलिया के हाथों बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को गंवा बैठी। इस दौरे और इससे पहले न्यूजीलैंड के हाथों घर में पहली बार 3-0 से सफाये के बाद लगने लगा है कि टीम इंडिया में अब बदलाव की जरूरत है।

सही है कि इस सीरीज को खोने में बल्लेबाजों के योजना के हिसाब से नहीं खेलने, टीम चयन में गलतियां करने की तो भूमिका रही ही, टीम के दिग्गज बल्लेबाजों का नहीं चलना भी बड़ा कारण रहा। बेहतरीन स्पिनरों में शुमार रखने वाले रविचंद्रन अिन के बीच दौरे में संन्यास लेने की घोषणा के बाद महसूस किया जा रहा था कि कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली भी इस तरफ कदम बढ़ा सकते हैं।

भारतीय कप्तान ने अपनी खराब फॉर्म की वजह से जब सिडनी टेस्ट की अंतिम एकादश से अपने को बाहर रखा तो लगा कि बदलाव के दौर की शुरुआत होने जा रही है। पर रोहित ने अगले ही दिन साफ कर दिया कि सिडनी टेस्ट नहीं खेलने का फैसला टीम के हित में लिया गया था पर मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने नहीं जा रहा। वहीं विराट ने भी ऐसे कोई संकेत नहीं दिए हैं। शायद इसकी वजह भारत को अब जून माह में इंग्लैंड का दौरा करके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अगले संस्करण की शुरुआत करनी है। अगला टेस्ट सीरीज में लंबा समय होने की वजह से ही शायद वह इस बारे में सोचने के लिए समय लेना चाहते हैं।

भारतीय कोच गौतम गंभीर से जब सीरीज खत्म होने पर सवाल पूछा गया कि रेड बॉल क्रिकेट में क्या दीर्घकालीन योजना बनाने और युवाओं पर फोकस करने का समय आ गया है, तो उनका जवाब था कि इस बारे में तत्काल चर्चा की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि टेस्ट सीरीज पांच महीने बाद होनी है। पांच महीने में बाद क्या होगा, हमें पता नहीं है। उस समय कौन कहां होगा। मैं इतना ही कह सकता हूं कि जो भी होगा, टीम के हित में होगा। गंभीर ने इतना जरूर कहा कि मैं किसी खिलाड़ी के भविष्य के बारे में कुछ नहीं कह सकता, यह उन पर ही निर्भर है पर सीनियर खिलाडियों में अभी भूख बाकी है और वह भारतीय क्रिकेट को आगे ले जा सकते हैं।

मौजूदा भारतीय टीम ही नहीं, बल्कि हर टीम में बदलाव का दौर आता है। 2011-14 तक भी भारतीय टीम में ऐसा ही दौर आया था। उस समय सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले और वीवीएस लक्ष्मण जैसे खिलाडियों ने संन्यास लिया था और उनकी जगह विराट कोहली, रोहित शर्मा, चेतेर पुजारा और रविचंद्रन अिन ने ली थी। खिलाडियों को तो अक्सर लगता है कि उनमें अभी क्रिकेट बाकी है पर इस बारे में चयन समिति और कोच को ही सख्त फैसला करने की जरूरत होती है। तभी सही समय पर विकल्प तैयार किए जा सकते हैं। कई बार टीमें बदलाव करने में पिछड़ जाती हैं तो उन्हें पटरी पर आने में बहुत समय लग जाता है। इस बारे में श्रीलंका का उदाहरण हमारे सामने है।

कोई दिग्गज खिलाड़ी लय में नहीं होता है तो कहा जाता है कि उसके लय में आने के लिए एक अच्छी पारी की देर है। विराट ने पर्थ टेस्ट में शतकीय पारी खेली। यह पारी भी उनकी समस्या का समाधान नहीं निकाल सकी और लगातार एक ही तरह से ऑफ स्टंप से बाहर की गेंदों पर ड्राइव करने के प्रयास में स्लिप में लपके जाते रहे। विराट की यह समस्या कोई पहली बार सामने नहीं आई है। यह कुछ सालों से इस समस्या से जूझ रहे हैं। लगता है कि उनके रिफलेक्सस में कमी आ रही है। वह दुनिया के बेजोड़ खिलाड़ी हैं और उन्होंने देश का सम्मान बढ़ाने वाली तमाम पारियां खेली हैं पर हर खिलाड़ी का समय आता है, जब उसे विराम के बारे में सोचना पड़ता है। इसी तरह रोहित की स्थिति तो और भी खराब है। वह पिछले आठ टेस्टों में 10 से कुछ ऊपर के औसत से ही रन बना सके हैं, जिसमें सिर्फ एक ही अर्धशतक है। इस सीरीज में तो वह तीन टेस्ट की पांच पारियों में 31 रन ही बना सके हैं।

सिडनी टेस्ट में भारत की हार में दूसरी पारी में जसप्रीत बुमराह के बाहर होने की भी अहम भूमिका रही पर यह भी सच है कि टीम प्रबंधन का दो स्पिनर खिलाने का फैसला भी गलत साबित हुआ। इसका प्रमाण ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर से पूरे मैच में एक ओवर ही फिंकवाया गया। बल्लेबाजी में भी वह कुछ खास न कर सके। बेहतर होता कि किसी पेसर को टीम में रखा जाता। ऐसा होता तो बुमराह के दूसरी पारी में उपलब्ध न होने पर अटैक में ज्यादा दिक्कत नहीं आती। चौथे टेस्ट में शुभमन गिल को बाहर बैठाने का फैसला भी समझ से परे रहा। सीरीज में भारत ने तीसरे गेंदबाज के तौर पर आकाशदीप और हर्षित राणा का इस्तेमाल किया और वे प्रभावी नहीं रहे। सिराज के लय में न होने से भी मुश्किलें बढ़ीं। उधर, हेजलवुड के चोटिल होने पर बोलैंड का ऑस्ट्रेलिया ने इस्तेमाल किया और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को सीरीज जिताने में बड़ी भूमिका निभाई।

(ये लेखक के विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

मकर संक्रांति पर शिवनाथ में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, हजारों लोगों ने किया पुण्य स्नान

नववर्ष के प्रथम हिन्दू पर्व पर रहा उत्साह का माहौल, नदी में दीपदान के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिर में की पूजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मकर संक्रांति के अवसर पर शिवनाथ नदी तट पर मंगलवार को हजारों की संख्या में लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई और सूर्य देव के अर्घ्य देकर आशीष मांगा। शिवनाथ नदी के महमरा एनीकट में सुबह से ही डुबकी लगाने महिला–पुरुष श्रद्धालुओं की भीड़ जुट गई थी।

इस अवसर पर नदी घाट पर मेले सा माहौल बन गया था। नदी घाट रोड पर पर्व की वजह से खिलौने, खाद्य सामग्री और पूजन सामग्री बेचने वालों की कतार लगी हुई थी। इधर नदी में स्नान करने श्रद्धालुओं की भीड़ जमा थी, ऊपर शिव मंदिर में भगवान का जलाभिषेक करने श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। नव वर्ष में हिन्दुओं के प्रथम पर्व पर लोगों उत्साह चरम पर दिखा।

मकर संक्रांति के मौके पर शिवनाथ नदी में डूबकी लगाने वालों की भीड़ सुबह से ही जुटनी शुरू हो गई। तड़के पांच बजे से ही स्नान का दौर शुरू हो गया था जो कि

दोपहर तक जारी रहा। श्रद्धालुओं ने डूबकी लगाने के साथ ही नदी किनारे स्थित शिव मंदिर में पूजा अर्चना की। इसके अलावा भिलाई व दुर्ग में अलग स्थानों पर पतंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। मकर संक्रांति के पर्व को देखते हुए शिवनाथ नदी तट पर विशेष तैयारियां की गई थी। एक दिन पहले से ही यहां दुकानें सजने लगी। मंगलवार तड़के 3 बजे से लोगों का आना शुरू हो चुका था।

मकर संक्रांति पर स्नान और दान का महत्व

मकर संक्रांति पर नदी व तालाबों में स्नान की परंपरा है। मकर संक्रांति पर दान का बड़ा महत्व है। इस दिन कंबल, गर्म कपड़े, दरी, जूते, टोपी, तिल, गुड़, खिचड़ी और घी जैसी चीज़ें दान करने से पुण्य मिलता है। शास्त्रों के अनुसार, इस दिन गंगा स्नान और दान से आपके वर्तमान और भविष्य दोनों अच्छे होते हैं। यह दान 10 अश्वमेघ यज्ञ और 1000 गायों के दान के बराबर फल देता है। ऐसा माना जाता है कि इससे जीवन में सफलता और सुख–शांति मिलती है। साथ ही, कुंडली में ग्रह–नक्षत्रों का शुभ प्रभाव भी बढ़ता है। यह दान कितना महत्वपूर्ण है। इससे न केवल पुण्य मिलता है, बल्कि जीवन में सफलता और खुशहाली भी आती है।

अयप्पा सेवा संघंम का मकर बेलक महोत्सव

मकर संक्रांति पर अयप्पा सेवा संघम द्वारा मकर बेलक महोत्सव का आयोजन किया गया। इसके तहत अयप्पा मंदिर सेक्टर–2 में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के तहत पहले गणेश मंदिर सेक्टर–5 से शोभा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा सेक्टर–5 से सेंट्रल एवन्यु रोड होते हुए सेक्टर–2 अयप्पा मंदिर पहुंची। यहां विधि विधान से पूजा अर्चना हुई। कार्यक्रम के तहत दोपहर में ढाई हजार से अधिक लोगों ने सामूहिक भंडारा भी किया। इस दौरान समिति के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खास खबर

पीएम आवास योजना को लेकर अधिकारियों को निर्देश, कोई पात्र नहीं छूटे

दुर्ग। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना भारत सरकार का महत्वपूर्ण योजना है!जिसके क्रियान्वयन हेतु भारत सरकार हर प्रकार से अपने हितग्राहियों के आवास की समस्या को ध्यान में रखते हुए प्रयासरत है ताकि मकान का अभाव कोई भी व्यक्ति ना रहे।प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत एक साल सफलता पूर्वक पूर्ण किया जा चुका है. एक साल में 562 हितग्राहियों को सफलता पूर्वक संपूर्ण किस्त की राशि दी जा चुकी है। आम जनता के हितो को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के बीएलसी घटक के अंतर्गत ऐसे हितग्राही जिनकी आय 3 लाख से कम हो, स्वयं की जमीन हो ऐसे हितग्राहियों को 30 वर्ग मीटर एरिया में मकान बनवाकर देने का प्रावधान रखा गया था,इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्य घटक एएचपी अंतर्गत ऐसे हितग्राही है जिनके पास जमीन तथा मकान नहीं है, जो कि 2015 के पूर्व से शहरी क्षेत्र में निवासरत थे, या जो किराए के मकान में रहते थे उन्हें 1 बीएचके का फ्लैट बनवाकर दिया गया ! वर्तमान में बीएलसी घटक अंतर्गत 3335 के लक्ष्य अनुसार 3247 मकान पूर्ण किया जा चुका है तथा 78 प्रगतिरत है जो कि 98 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है। दूसरे चरण में ज्यादा से ज्यादा हितग्राहियो को योजना का लाभ दिये जाने हेतु पात्र हितग्राहियों को छूट दिया गया तथा ऐसे हितग्राही जो 31 अगस्त 2024 के पूर्व से निवासरत है तथा जिनके पास जमीन के दस्तावेज है तथा सालाना आय तीन लाख से कम तथा जाति प्रमाण पत्र होगा उन्हें लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है ! जिसके लिए त्वरित गति से कार्य किया जा रहा है।शहर क्षेत्र के पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना से सपनो को पूरा करने में मदद मिल रही है।

कोड़िया में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से आम–जनता तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच आसान बनाने हेतु स्वास्थ्य मेला के अंतर्गत 09 नवम्बर 2024 से 08 जनवरी 2025 तक दुर्ग जिले के विभिन्न विकासखण्डों में निर्धारित तिथियों पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इसी के तहत विगत दिनों भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग एवं जिला चिकित्सालय, दुर्ग के संयुक्त तत्वाधान में ग्राम कोड़िया में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कोड़िया में आयोजित चिकित्सा शिविर में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग से डॉ एम सरस्वती फार्मासिस्ट सुसन जैकब, सुश्री प्रभा सैमुअल एवं पंजीयन हेतु शंभू दयाल एवं जिला चिकित्सालय दुर्ग की ओर से डॉ वेदकुमारी साहू, मीना वर्मा, उषा सोनी उपस्थित थी। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस–पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की निःशुल्क जाँच की सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है।

महिला हैंडबाल टीम ने राष्ट्रीय हैंडबाल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक पर कब्जा किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। असम हैंडबाल संघ द्वारा हैंडबाल एसोसिएशन इंडिया के तत्वावधान में सीनियर बीच राष्ट्रीय हैंडबाल प्रतियोगिता का आयोजन सरुसजई स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, गुवाहाटी, असम में दिनांक 10 जनवरी से 13 जनवरी 2025 तक मे भाग लेने हुये छत्तीसगढ़ राज्य की महिला हैंडबाल टीम ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

आज दिनांक 13 जनवरी 2025 को प्रतियोगिता का फाइनल मैच छत्तीसगढ़ एवं केरल के मध्य खेला गया जिसमें छत्तीसगढ़ ने केरल को दो सीधे सेटों में प्रथम सेट 14–11 एवं दूसरे सेट में 19–11 गोलों से हराकर प्रतियोगिता के स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। छत्तीसगढ़ की कंचन महानंद को बीच महिला हैडबाल प्रतियोगिता का बेस्ट गोलकीपर का खिताब प्रदान किया गया। इसके पूर्व

आज प्रातःकालीन खेले गये सेमीफाइनल मैच में छत्तीसगढ़ ने हरियाणा को 13–12 एवं 15–12 गोलों से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया था। छत्तीसगढ़ बीच महिला हैंडबाल टीम के स्पर्ण पदक प्राप्त करने पर छत्तीसगढ़ हैंडबाल संघ के अध्यक्ष धर्मेन्द्र यादव, कार्यकारी अध्यक्ष अरुण सिंघानिया, बी.एस.पी. हैंडबाल क्लब के अध्यक्ष बी.डी. बाबू एवं सचिव अब्दुल रहीम, छत्तीसगढ़ हैंडबाल संघ के संस्थापक सदस्य पूर्व महासचिव बशीर अहमद खान, महासचिव समीर खान, कोषाध्यक्ष विजय बहादुर, छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन के महासचिव विक्रम सिंह सिसोदिया, सहसचिव सहीराम जाखड़, सहसचिव मो. अकरम खान, विष्णु श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी, छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के महासचिव शम्भू सोनी, छत्तीसगढ़ तैराकी एसोसिएशन के अध्यक्ष गोपाल खंडेलवाल, छत्तीसगढ़ रोविंग संघ के महासचिव आर.के. श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ प्रदेश एमेच्योर बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष आर. राजेन्द्रन, छत्तीसगढ़ कुश्ती संघ के अध्यक्ष जगन्नाथ यादव, सचिव प्रशांत राय, छत्तीसगढ़ सायक्लिंग संघ के सचिव व्ही.आर. चन्नावर, छत्तीसगढ़ फुटबाल संघ के महासचिव डॉ.जी.डी. गांधी, छत्तीसगढ़ रग्बी फुटबाल संघ के सचिव अय्याज अहमद खान सहित विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाये प्रदान की।

बीएमडीसी में पावर प्रोफेशनल्स मीट 2025 का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के पावर सिस्टम विभाग और एएंडडी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में, सेक्टर–7 भिलाई स्थित बीएमडीसी के एमपी हॉल में 10 जनवरी 2025 को 8 घंटे का पावर प्रोफेशनल्स मीट आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक प्रभारी अंजनी कुमार तथा कार्यपालक निदेशक पवन कुमार थे। कार्यक्रम का उद्देश्य पावर प्रोफेशनल्स मीट 2025 पावर प्रबंधन के क्षेत्र में कार्यरत प्रोफेशनल्स के लिए एक महत्वपूर्ण मंच उपलब्ध कराना है, जहाँ वे एक–दूसरे से अनुभव साझा कर सकते हैं और आपसी ज्ञानवर्धक अनुभव को सामने ला सकते हैं।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पावर सिस्टम्स को बनाए रखने के व्यक्तिगत अनुभवों से प्राप्त ज्ञान का आदान–प्रदान करना है। सर्वोत्तम प्रथाओं, चुनौतियों और उपलब्धियों को साझा करके यह कार्यक्रम, सिस्टम की कार्यक्षमता में सुधार करने और ब्रेकडाउन को कम करने का प्रयास करता है। कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने अपने भाषण में पावर सिस्टम की विश्वसनीयता बढ़ाने हेतु ज्ञान साझा करने और सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने पावर एसेट्स के ऑनलाइन कंडीशन मॉनिटरिंग जैसी तकनीकी भूमिका पर भी जोर दिया।

थोड़ी सी मदद ने सीखा दिया जीना

रिसाली। विषम परिस्थिति कई बार आदमी को जीना सीखा देती है। तीन वर्ष पहले आए कोरोना आपदा ने कई लोगों का रोजगार छिना तो कई को नौकरी गवानी पड़ी। ऐसे में प्रधानमंत्री स्वनीधि योजना स्ट्रीट वेंडरों के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। रिसाली निगम क्षेत्र की बात करे तो दो सौ से अधिक लोगों का परिवार बिखरने से बच गया। पहले 10 हजार और 20 हजार, 50 हजार की ऋण स्वरूप मदद से कई स्ट्रीट वेंडरों ने स्वरोजगार स्थापित किया। आयुक्त मोनिका वर्मा ने बताया कि निगम क्षेत्र में वेंडिग क्षेत्र घोषित नहीं है। इसके बाद भी मुख्य मार्गो की स्थिति शाम के वक्त चैपाटी जैसे हो जाती है। ऐसे ही स्ट्रीट वेंडरों को योजना का लाभ दिलाने का प्रयास किया और रिसाली अपने लक्ष्यों को पूरा कर पाया। फास्ट फुड के व्यापारी चुम्मन साहू बताता है कि पहले वह महज 3 से 4 हजार कमाता था। स्वनीधि के तहत मिले तीन चरणों में ऋण से अब वह हर माह बैंक में भविष्य के लिए पैसे संजो रहा है। चैमीन, चिकन व एग रोल से ही कुछ घंटे के व्यवसाय में 10 हजार तक की बचत कर रहा है। प्रदेश के नगरीय निकाय में रिसाली ऐसा निकाय है जहां स्लम क्षेत्र में पॉश कालोनी की तर्ज पर चैपाटी बनाया गया है।

विधायक रिकेश की पहल: महाकुंभ के लिए यात्रियों को मिल रही कन्फर्म बर्थ, एक ओर का लग रहा किराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विधायक रिकेश सेन द्वारा प्रयागराज महाकुंभ जाने के इच्छुक वैशाली नगर विधानसभा के दर्शनार्थियों के लिए रेल्वे के एक तरफस्लीपर टिकट का किराया देने की पूर्व घोषणा के अनुसार अलग–अलग तिथियों पर अब तक 3 हजार 250 लोगों को टिकट वितरण किया जा चुका है। यही नहीं बढ़ती सर्दी के मद्देनजर विधायक सेन द्वारा विभिन्न अखाड़ों के माध्यम से तीर्थयात्रियों को भेजें गए 5000 कंबल का वितरण 12 और 13 जनवरी को किया जा चुका है।

विधायक सेन ने कहा कि हमने तय किया था कि वैशाली नगर विधानसभा से जो लोग भी महाकुंभ में जाना चाहते हैं

प्रयागराज, उनके एक तरफका किराया हम देंगे। जितने लोगों ने आवेदन किया था और जिनके कंफर्म टिकट बन चुके थे, ऐसे 3 हजार 250 इच्छुक दर्शनार्थियों को आज हमने टिकट वितरण किया है। और जो कोई लोग जाना चाहते हैं वैशाली नगर विधानसभा से, उनके एक तरफ का किराया हम देते हुए आने–जाने का कंफर्म भी दे रहे हैं।

विधायक सेन ने बताया कि लगभग 50 हजार कंबल वैशाली नगर विधानसभा से भिजवाए जा रहे हैं ताकि ठंड से अधिक से अधिक महाकुंभ पहुंचे दर्शनार्थियों को राहत मिले और जरूरतमंद लोग जो प्रयागराज पहुंच रहे हैं उनको मौसम की वजह से दिक्कत न हो। जिसमें 5 हजार कंबल की पहली खेप भेज चुके हैं और भी कोई आवश्यकता पड़ेगी तो सनातन धर्म के इस बड़े महापर्व के लिए हम सभी सहयोग के लिए तत्पर हैं ताकि अधिक से अधिक लोग महाकुंभ पहुंच कर इसका लाभ ले सकें।

आदिवासी जनजातीय महोत्सव 3 से 5 फरवरी तक महिलाओं के उत्पादों की मार्केटिंग के लिए मिलेगा मंच

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आर्य युवा केंद्र के तत्वाधान में सुक्ष्म लघु उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित महोत्सव 2025 का 3 से 5 फरवरी तक महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर भिलाई में आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन मे 60 MSME यूनिट भाग लेंगी। जिसमे महिलाओ द्वारा निर्मित उत्पादन की प्रदर्शनी लगाई जाएगी, तीन दिनों मे महिलाओ द्वारा विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन जैसे डांस , रंगोली, गायन, अन्य रंगरग प्रतियोगिताएं आयोजित होगी।

आयोजन को लेकर प्रदेश प्रभारी लताश्रषि चंद्राकर ने प्रेस वार्ता में इसकी विस्तृत जानकारी

दी। प्रेसवार्ता में बताया कि गया कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सामाजिक सेवा देने वाले समाजसेवियो को सम्मानित किया जायेगा, मंच के माध्यम से छत्तिसगढ संस्कृति को बढ़ावा दिया जायेगा। विभिन्न सामाजिक संस्थाओ द्वारा सहयोग किया जायेगा। कार्यरम मे विभिन सरकारी योजनाओं की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। My gov , भारत सरकार की योजनाओं से सभी का पंजीकरणा किया जाएगा।

लताश्रषि चंद्राकर ने बताया कि विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक, सरकारी जगत के प्रमुख लोग इस आयोजन की शामिल हो कर महिलाओं का मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के द्वारा बनाये गये उत्पादों की मर्केटिंग के लिए का मंच प्रदान करना है। भारत सरकार स्वस्थ्य मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को भी महिलाओं तक पहुंचना है।

पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से शशांक चोपड़ा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री भारत रक्षा मंच, शांता शर्मा, पुशेष आतरे आदि उपस्थित रहे।

युवा उत्कर्ष एवं युवा सम्मान समारोह का आयोजन

भिलाई। अखिल विश्व गायत्री परिवार युवा संगठन दिया छत्तीसगढ़ द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस स्वामी विवेकानंद जी के 162 जन्म जयंती के अवसर पर 12 जनवरी दिन रविवार 2025 को युवा उत्कर्ष एवं युवा सम्मान समारोह के रूप मनाया गया। माता सियादेवी मंदिर प्रांगण नारागांव बालोद में चल रहे भारतीय स्काउट गाइड ट्रैकिंग शिविर के साथ इस युवा जागरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दुर्ग, भिलाई, बालोद, बेमेतरा स्कूल के 150 चयनित छात्रों के साथ सभी जिलों के स्काउटर शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रज्ञागीत एवं दीप प्रज्वलन से किया गया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

दाऊ अनुराग फिर बने अग्रवाल समाज के अध्यक्ष

रायपुर। छत्तीसगढ़ी दाऊ अग्रवाल समाज के वार्षिक अधिवेशन में 4200 मतदाताओं की उपस्थिति में दाऊ अनुराग अग्रवाल को पुनः सर्वसम्मति से केन्द्रीय अध्यक्ष चुना गया। अध्यक्ष निर्वाचित होने पर उन्होंने कहा कि आज स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन और सनातन के सबसे बड़े पर्व महाकुंभ की पूर्व संध्या पर यह आयोजन एक शुभ संकेत है कि छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज अपने साथ-साथ सर्व समाज के हित व प्रगति की राह पर तेजी से कार्य करेगा।

छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज के पूर्वजों ने आज के मूल्य के अनुसार लगभग 70 हजार करोड़ की संपत्ति का दान किया है। उनका पुनः दानदाताओं की इच्छा के अनुसार सर्वहित में उपयोग के लिए सभी प्रकार के प्रयास किए जाएंगे। अग्रवाल ने 100 बिस्तर वाले वानप्रस्थ आश्रम के निर्माण की संपूर्ण रूपरेखा समाज के सामने रखी। वार्षिक अधिवेशन में 15 विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट ख्याति प्राप्त सदस्यों को सम्मानित किया गया।

वॉक इन इंटरव्यू में मिली नौकरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए रोजगार पाने का एक शानदार मौका आया है। दरअसल, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद विज्ञान भवन विधानसभा रोड सड्डू रायपुर की ओर से इन दिनों विभिन्न परियोजनाओं के लिए अस्थायी आधार पर परियोजना अमलों की भर्ती की जा रही है। इसके लिए कोई लिखित परीक्षा नहीं होगी। इन पदों की भर्ती रायपुर में वॉक इन इंटरव्यू के जरिए की जाएगी। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार निर्धारित तिथि में उपस्थित होकर इस भर्ती में शामिल हो सकते हैं।

मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद अस्थायी आधार पर परियोजना की अवधि के लिए रिसर्च एसोसिएट-1 (आरए-1) और सीनियर रिसर्च फेलो (एसआरएफ) के लिए विभिन्न पदों पर भर्ती कर रहा है। इसके लिए 17 जनवरी और 4 फरवरी 2025 को वॉक इन इंटरव्यू का आयोजन किया जा रहा है। यह इंटरव्यू छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद विज्ञान भवन रायपुर में आयोजित किया जाएगा। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार निर्धारित तिथि में उपस्थित होकर इस भर्ती में शामिल हो सकते हैं।

वायुसेना अग्निवीर भर्ती के लिए 27 तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

रायपुर। भारतीय वायु सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु अविवाहित युवक एवं युवतियों से ऑनलाइन आवेदन और इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट अग्निपथवायु डॉट सीडीएसी डॉट ईन है। अग्निवीर वायु भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम 27 जनवरी 2025 तक निर्धारित है। आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी का जन्म 01 जनवरी 2005 से 01 जुलाई 2008 के बीच हुआ हो। साथ ही 12वीं कक्षा न्यूनतम 50 अंको तथा अंग्रेजी विषय में 50 अंक के साथ उत्तीर्ण हो वे आवेदन कर सकते हैं।

आध्यात्मिकता के समावेश से प्रशासन में उत्कृष्टता लाई जा सकती है -विधात्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा विधानसभा रोड स्थित शान्ति सरोवर, रिट्रीट सेन्टर रायपुर में इस संस्थान के सदस्यों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आसपास के शहरों से आए हुए प्रशासक प्रभाग के सदस्यों ने हिस्सा लिया।

प्रशिक्षण का शुभारम्भ नई दिल्ली की कार्यक्रम संयोजिका ब्रह्माकुमारी ख्याति दीदी और ब्रह्माकुमारी विधात्री दीदी, रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी, रायपुर सर्कल के मुख्य वन सरंक्षक राजू अगासीमनी (आईएफएस), एडीशनल कलेक्टर विनय अग्रवाल, बिलासपुर के अपर कलेक्टर हर्ष पाठक, धमतरी सेवाकेन्द्र की निदेशिका ब्रह्माकुमारी सरिता दीदी और जगदलपुर की निदेशिका ब्रह्माकुमारी मंजूषा दीदी ने दीप प्रज्वलित करके किया। नई दिल्ली से आयी प्रशासक सेवा प्रभाग की मुख्य फैकल्टी मेम्बर ब्रह्माकुमारी विधात्री दीदी ने कहा कि यदि प्रशासकों में आध्यात्मिकता का समावेश हो जाए तो प्रशासन को संवेदनशील और उत्कृष्ट बनाया जा सकता है क्योंकि शासन की सबसे प्रमुख इकाई प्रशासक ही होते हैं। शासन की नीतियों और कार्यक्रमों को संचालित करने की मुख्य जिम्मेदारी इसी वर्ग पर होती है।

रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने बताया कि आने वाले समय में रायपुर से अलग-अलग जिलों में प्रशासक वर्ग की सेवा के लिए अभियान (कैम्पेन) निकाला जाएगा जिसके लिए हैण्ड तैयार करना ही इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है। एडीशनल कलेक्टर विनय अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान समय प्रशासन के क्षेत्र में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन अगर जीवन में आध्यात्मिकता आ जाए तो वह आसानी से हर परिस्थितियों का सामना किया जा सकता है। अध्यात्म हमें हर परिस्थिति में शान्त रहना, तनाव में नहीं आना और निष्पक्ष होकर निर्णय लेना सिखाना है। रायपुर सर्कल के मुख्य वन सरंक्षक राजू अगासीमनी (आईएफएस) ने कहा कि सुखी जीवन के लिए मन की शान्ति जरूरी है। प्रशासक को कई प्रकार के दबाव के बीच काम करना होता है। चुनौतियाँ कुछ भी हों लेकिन हमारा मन शान्त हो यह सीख हमें अध्यात्म से मिलती है। व्यक्तिगत जीवन में भी इसका असर पड़ता है।

बिलासपुर के अपर कलेक्टर हर्ष पाठक ने कहा कि अध्यात्म हमें सही निर्णय लेने में मदद करता है। ब्रह्माकुमारी संस्थान हमारी सोच को सकारात्मक बनाने की शिक्षा प्रदान करती है। इससे हमारे शरीर और आत्मा को शक्ति मिलती है। अन्त में उन्होंने प्रशिक्षण की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दी।

350 युवक-युवतियों ने दिया अपना परिचय एजुकेटेड परिचय सम्मेलन का हुआ समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रांतीय युवा अग्रवाल मंच के दो दिवसीय एजुकेटेड परिचय सम्मेलन का समापन 350 प्रत्याशियों के परिचय के साथ संपन्न हुआ। जबलपुर, नागपुर, गोंदिया, टाटानगर, दिल्ली, लुधियाना, कलकत्ता, चेन्नई, कटक, गुडग़ांव, दिल्ली सहित 100 शहरों से आए प्रत्याशी राम स्वरुप निरंजन लाल धर्मशाला में बनाए गए। आधुनिक स्टूडियो में अपना परिचय दिए जहां अभिभावक अपने बच्चों के लिए रिश्ते छांटते रहे।

उल्लेखनीय है कि युवती व युवक प्रत्याशी भी स्टेज में लगे बड़े एलईडी स्क्रीन में अपने लिए वर पसंद करते रहे जिन्हें मिलवाने व चर्चा कराने में समन्वय समिति के पच्चीस सदस्य लगातार सक्रिय रहे, जिसमे काफी सफलता मिली। लगभग 75 जोड़े तय होने की स्थिति मे पहुँच गए हैं।

संयोजक कन्हैया अग्रवाल व हरि वल्लभ अग्रवाल ने बताया कि डाक्टर, इंजीनियर, उद्योगपति, जज, अधिकारी सहित बड़ी कंपनियों में कार्यरत् प्रोफेशनल प्रत्याशी भारी संख्या में उपस्थित होकर बिना झिझक अपना परिचय देकर जीवन साथी के लिए परिचय प्राप्त किए। सगाई, संबंध परिवारों के साथ उनके घरों में तय किए जावेगे। विवाह की बढ़ती उम्र व विवाहित जीवन मे पड़ रहे गतिरोध से चिंतित अग्रवाल समाज के बच्चों के विवाह सही उम्र पर क्यों व कैसे करे सहित वैवाहिक जीवन प्रबंधन पर प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर निहारिका सिंघी, कटक, उड़ीसा का स्पीच भी इस अवसर पर कराया गया।

इस अवसर पर प्रदेश के नए अध्यक्ष का चयन करते हुए महामंत्री नितेश अग्रवाल को नया अध्यक्ष चुना गया। देश के मध्य में रायपुर के स्थित होने व ईज़ी परिवहन सुविधा व व्यवस्थित आयोजन होने से मध्य भारत का सबसे बड़ा परिचय सम्मेलन की ख्याति मिल गयी है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से निवर्तमान अध्यक्ष कन्हैया गोयल, मनोज गोयल, अमर सुल्तानिया, राजेश केडिया, पंकज अग्रवाल, मानस अग्रवाल, संध्या अग्रवाल, प्रिती अग्रवाल, निर्मल अग्रवाल, संजय गर्ग, रीना गेवाडीन, दीप्ति अग्रवाल, संतोष बजाज, विनोद तर्रा, विरेंद्र अग्रवाल, गनेश नरेडी, सुरेश चौधरी सहित 100 सदस्यों की टीम ने आयोजन को सफल बनाया।

अग्रवाल मोहल्ला कचना समिति कार्निवाल ने उड़ाए पतंग

रायपुर। अग्रवाल मोहल्ला कचना समिति के द्वारा अग्रवाल कार्निवल 2025 का आयोजन आनंदम वर्ल्ड सिटी में किया गया जहां टैटू आर्ट, नेल आर्ट, तंबोला के साथ नये एवं पुराने गानों पर अग्रवाल मोहल्ला कचना समिति की महिलाएं खूब थिरकी। वहीं दूसरी ओर बच्चों ने नव दुर्गा अवतार पर नृत्य किया गया और पतंग उत्सव में सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए पतंग उड़ाए। कार्यक्रम के अंत में अग्रवाल मोहल्ला कचना समिति के सदस्यों ने लजीज व्यंजनों का लुफ्त उठाया।

इस अवसर पर अग्रवाल सभा के अध्यक्ष विजय अग्रवाल, महा मंत्री मनमोहन अग्रवाल, युवा मंडल, संगठन मंत्री योगी अग्रवाल, किशन अग्रवाल, विशम्बर अग्रवाल, जयंती प्रभारी मनीष अग्रवाल, राम अग्रवाल, महिला मंडल से उपाध्यक्ष राज अग्रवाल, मंत्री सुनीता मुरारका, संजू अग्रवाल, प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति अग्रवाल, कचना विधान सभा के संयोजक अशोक गोयल, सह संयोजक सुजीत अग्रवाल, महिला मंडल की संयोजिका विजेता अग्रवाल, नीलम अग्रवाल, मिरू अग्रवाल, वीणा अग्रवाल उपस्थित थी। उक्त जानकारी प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति अग्रवाल ने दी।

छत्तीसगढ़ की दो छात्राओं को पीएम से सीधे संवाद का अवसर, वंदना के साथ दिल्ली रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर दिल्ली में आयोजित परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री से संवाद करने के लिए छत्तीसगढ़ की दो छात्राओं का चयन किया गया है।

किरन्दुल (दंतेवाड़ा) की कु. स्नेहा मेश्राम और सलका पतराटोवी (सरगुजा) जिले से कु. गुनगुन गुप्ता ने इस अवसर पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा, यह एक बहुत बड़ा सम्मान है और हमें इस अवसर पर प्रधानमंत्री से संवाद करने का मौका मिलेगा। इस कार्यक्रम के तहत देश भर के चुनिंदा छात्रों को प्रधानमंत्री से संवाद करने का अवसर मिलेगा। यह कार्यक्रम परीक्षा के दबाव को कम करने और छात्रों को प्रेरित करने के लिए आयोजित किया गया है।

नोडल अधिकारी वन्दना शर्मा ने कहा, यह एक बहुत बड़ा सम्मान है कि छत्तीसगढ़ से दो छात्राओं का चयन किया गया है। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए बहुत प्रेरणादायक होगा। इस अवसर पर, छत्तीसगढ़ के शिक्षा मंत्री ने भी छात्राओं को बधाई दी और कहा, यह एक बहुत बड़ा सम्मान है कि हमारे राज्य की छात्राओं को प्रधानमंत्री से संवाद करने का मौका मिलेगा। हमें उम्मीद है कि यह कार्यक्रम छात्रों के लिए बहुत प्रेरणादायक होगा।

कु. स्नेहा मेश्राम और कु. गुनगुन गुप्ता ने कहा, हमें इस अवसर पर प्रधानमंत्री से संवाद करने का मौका मिलने पर बहुत खुशी हो रही है। हमें उम्मीद है कि यह कार्यक्रम हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा।

सुधा सोसाइटी फाउंडेशन ने मनाया राष्ट्रीय युवा दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सामाजिक संस्था सुधा सोसाइटी फाउंडेशन ने सुधा ओपन स्कूल, आमासिवनी रायपुर में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जिसमे स्कूल के बच्चे व अभिभावक उपस्थित थे। सुधा के चेयरमैन गोपाल कृष्ण भटनागर ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रशांत नायक, आईटी विशेषज्ञ मुख्य अतिथि थे और अभिशेख खरे गणित विशेषज्ञ और प्रियंका नायक सामाजिक कार्यकर्ता अतिथि थे।

श्री भटनागर ने कहा कि आज के बच्चे कल के युवा होंगे और उनको स्वामी विवेकानंद जी के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। स्वामी विवेकानंद ने विश्व पटल पर भारत का नाम रोशन किया था। ऐसे में उनकी जयंती पर अपनों को उनके प्रेरणा से भरे विचार अपनाने चाहिए। सुधा के सीईओ आरके सूद ने संदेश में बच्चों को जागरूक बनने के किए कहा। उन्होंने कहा विवेकानंद जी ने कहा था उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। अध्यक्ष दीप्ति गोयल ने भी युवकों की राष्ट्र निर्माण में भूमिका और जिम्मेदारी पर वक्तव्य कहा।

अभिषेक खरे ,जो गणित विशेषज्ञ है ने संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का संचालन किया। बच्चों ने स्वामी विवकानंद जी के बच्चों के बीच जीवन पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। सभी विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार दिए गए। सभी अतिथियों ने बच्चों को नवीनतम ज्ञान के बारे में सशक्त बनने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही पूरे वर्ष महत्वपूर्ण दिनों के उत्सव मनाने में सुधा सोसायटी की भूमिका की सराहना की। कार्यक्रम का समापन सभी द्वारा गाए गए राष्ट्रगान के साथ हुआ। श्रीमती भारती और मिस खुशी स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी प्रयास किए। सभी बच्चों को मिठाइयाँ खिलाई गईं।

खल्लारी मंदिर में चलाया स्वच्छता अभियान निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रोटरी क्लब ग्रेटर रायपुर और ग्रीन संरक्षरम पीपल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में खल्लारी माता मंदिर और उसके आसपास के पहाड़ों पर आयोजित दो दिवसीय सफाई और जागरूकता अभियान का समापन सफलता के साथ हुआ। इस अभियान में 60 से अधिक स्वयंसेवकों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दी और श्रमदान करते हुए लगभग 550 कचरा बैग एकत्रित किए।

यह सफाई अभियान न केवल मंदिर परिसर की स्वच्छता को बढ़ावा देने का प्रयास था, बल्कि इसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का उद्देश्य भी पूरा किया गया। साथ ही रोटरी क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर द्वारा 12 जनवरी 2025 को मंदिर परिसर स्थित मंगल भवन में सीता मेमोरियल डेंटल क्लिनिक एवं एम.जी.एम हॉस्पिटल के साथ मिल कर निःशुल्क दंत चिकित्सा व नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों व श्रद्धालुओं ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

रोटरी क्लब रायपुर ग्रेटर के अध्यक्ष डॉ पंकज चोपड़ा ने इस अभियान को करने का उद्देश्य बताते हुए रोटरी के किए गए सामाजिक कार्यो को बताया और युवाओ से ऐसे अभियानों में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। मुख्य अथिति पूर्व सांसद चुन्नी लाल साहू ने अभियान करने के लिए दोनों संस्थाओं का आभार व्यक्त किया साथ ही रोटरी क्लब ऑफ़ रायपुर ग्रेटर से खल्लारी में और अधिक कार्यो की उम्मीद जाहिर की।

खल्लारी माता मंदिर समिति ने इस सराहनीय पहल के लिए रोटरी क्लब ग्रेटर रायपुर और ग्रीन संरक्षरम पीपल फाउंडेशन का हार्दिक स्वागत किया और उनके प्रति आभार प्रकट किया। समिति ने इस प्रकार के आयोजनों को मंदिर परिसर के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण बताते हुए भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियों को समर्थन देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। रोटरी क्लब ग्रेटर रायपुर द्वारा मंदिर समिति को 1 वॉटर कूलर, डस्टबीन एवं अन्य जरूरत की सामग्री प्रदान की गई। साथ ही मंदिर परिसर की पानी टंकिया भी साफ़ की गईं। मंच संचालन युवा समाज सेवी नितिन जैन ने किया।

धूम-4 में हुई रणबीर कपूर की एंट्री, शातिर चोर बनेंगे रणबीर

बॉलीवुड की पॉपुलर फिल्मों में धूम का नाम शामिल है। इसके तीनों पार्ट को दर्शकों ने पसंद किया है। अब धूम-4 को लेकर खूब चर्चा चल रही है। इस बीच अपडेट सामने आया है कि फिल्म में रणबीर कपूर की एंट्री पक्की हो गई है। आइए जानते हैं कि एटर फिल्म की शूटिंग कब से शुरू करेंगे।

धूम 4 में होगी दो एक्ट्रेस की एंट्री

बॉलीवुड की पॉपुलर फ्रेंचाइजी फिल्मों का जिक्र होता है, तो धूम का नाम नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। धूम मूवी के तीन पार्ट पहले ही आ चुके हैं, जिन्हें दर्शकों से बेशुमार प्यार मिला है। इन दिनों धूम-4 को लेकर चर्चा हो रही है। धूम के अपकमिंग सीक्वल से कई पॉपुलर सितारों का नाम जोड़कर देखा जा रहा है। इस बीच फिल्म की रिलीज और एक दिग्गज एक्टर की एंट्री पर बड़ा अपडेट आया है।

धूम फ्रेंचाइजी में वीलेन का रोल अक्सर बदलता रहता है। अब धूम 4 की कास्ट से एक पॉपुलर बॉलीवुड एक्टर का नाम जुड़ गया है। बॉक्स ऑफिस पर एनिमल फिल्म से रणबीर कपूर ने धमाल मचा दिया था। अब रणबीर कपूर की एंट्री आदित्य चोपड़ा की फिल्म में हो गई है। जी हां, रणबीर कपूर धूम 4 में नजर आएंगे और फिल्म की शूटिंग से लेकर कई अन्य जरूरी अपडेट भी सामने आ चुके हैं।

कब से शुरू होगी धूम-4 की शूटिंग?

धूम 4 की राह सिनेमा लवर्स लंबे समय से देख रहे हैं, लेकिन अब प्रशंसकों को ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा। इंडिया टूडे की रिपोर्ट के मुताबिक, धूम 4 की शूटिंग अप्रैल, 2026 से शुरू होगी। पिक्चर की स्टोरी पर काम पहले ही शुरू हो चुका है। बताया जा रहा है कि फिल्म में रणबीर के साथ दो एक्ट्रेस भी लीड रोल की भूमिका अदा करेंगी।

रणबीर कपूर के पास रामायण और लव एंड वॉर जैसी फिल्में हैं। इन दोनों फिल्मों की रिलीज के बाद एक्टर धूम 4 पर काम शुरू करेंगे। आदित्य चोपड़ा की धूम फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त कई मायनों में खास होने वाली है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि फिल्म की कास्टिंग पर काम भी बेहद जल्द शुरू हो जाएगा।

रणबीर कपूर की अपकमिंग फिल्में

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर आने वाले दिनों में कई मोस्ट अवेटेड फिल्मों का हिस्सा बनेंगे। इन दिनों अभिनेता नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म रामायण की शूटिंग पर काम कर रहे हैं। बता दें कि इसे दो पार्ट में रिलीज किया जाएगा और पहला पार्ट साल 2026 में रिलीज किया जाएगा। वहीं, इसका दूसरा पार्ट अगले साल यानी 2027 में आएगा। फैंस इसका बेसब्री से इंतजार भी कर रहे हैं। इसके अलावा, रणबीर के पास लव एंड वॉर फिल्म भी है। इसमें उनके साथ आलिया भट्ट और विक्की कौशल अहम किरदारों की भूमिका में नजर आएंगे। यह मूवी 20 मार्च, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

सनी लियोनी को लगता है भगवान उन्हें धैर्य और विनम्रता का पाठ पढ़ा रहे

अभिनेत्री सनी लियोन जो फिलहाल मलेशिया में हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है जैसे भगवान उन्हें धैर्य और विनम्रता का पाठ पढ़ा रहे हैं। सनी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह डेक पर खड़ी नजर आ रही हैं।

इस वीडियो में बादलों से घिरा आसमान, समुद्र और रेत नजर आ रही है। वीडियो में अभिनेत्री ने कुछ खास ब्यौरा नहीं दिया। कहा, हम्म, हां, हम कहां हो सकते हैं? यहां बहुत रहस्यमयी चीजें हो रही हैं। इसके बाद उन्होंने एक रहस्यमय संदेश साझा किया, जिसमें लिखा था: मुझे लगता है कि भगवान मुझे धैर्य और विनम्रता का पाठ पढ़ा रहे हैं। काश मुझे चेतावनी मिल जाती ताकि मैं मानसिक रूप से तैयार हो पाती।

सोशल मीडिया पर एक्टिव सनी ने शेयर किया कि 'रील बनाने के पीछे असल में क्या होता है।' उन्होंने रील बनाने के पीछे असल में क्या होता है का एक मजेदार बिहाइंड-द-सीन वीडियो पोस्ट किया। सनी ने फोटो-शेयरिंग वेबसाइट पर एक वीडियो पोस्ट की। क्लिप में वह अपनी टीम के साथ रील के लिए पोज देती नजर आ रही हैं। वह अपनी टीम की साथी से कहती सुनाई देती है, इसे छिपाओ। जैसे ही सनी की टीम रील बनाने के लिए तैयार हो गई और उनके एक साथी ने मजाकिया अंदाज में गिनती शुरू कर दी। अभिनेत्री अपना सिर हिलाना शुरू करती हैं और फिर रुक जाती हैं।

सनी ने वीडियो को कैप्शन दिया: रील बनाने के पीछे वास्तव में क्या होता है। सनी और उनके पति डेनियल वेबर ने नवंबर में अपनी शादी के 13 साल बाद फिर से शादी रचाई। इस जोड़े ने 31 अक्टूबर को मालदीव में एक समारोह में अपनी प्रतिज्ञा को फिर से दोहराया। इस दौरान उनके बच्चे निशा, नूह और अशर भी उनके साथ थे।

सनी की फैन फॉलोइंग भी जबरदस्त है। कुछ अटपटी घटनाएं भी इनके नाम पर अंजाम दी गई हैं। उनके नाम का इस्तेमाल कर एक धोखाधड़ी की वारदात ने भी सुर्खियां बटोरी थीं। 23 दिसंबर को एक व्यक्ति ने राज्य सरकार से 1000 रुपये प्रति माह प्राप्त करने के लिए अभिनेत्री के नाम का उपयोग किया था। वह राज्य की कल्याणकारी योजना महतारी वंदन योजना का लाभ उठा रहा था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार धोखेबाज ने राशि प्राप्त करने के लिए सनी के नाम का उपयोग किया क्योंकि यह योजना केवल विवाहित महिलाओं के लिए ही थी।

निक्की तंबोली ने गोल्डन गाउन में गिराई बिजली

एक्ट्रेस ने कैमरे के सामने दिए किलर पोज

बिग बॉस 14 की एस कंटेस्टेंट निक्की तंबोली अपनी एटिंग से ज्यादा अपने लुस के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। एट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं तो लोग उनके हर एक लुक पर लाइस और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं।

टीवी एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने गोल्डन गाउन में अपने ग्लैमरस लुक से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. हाल ही में निक्की ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की, जिसमें वह बेहद आकर्षक लग रही हैं. निक्की ने डीपनेक गोल्डन गाउन पहना था, जो उनके स्टाइल को और भी स्टाइलिश बना रहा था. इसके साथ उन्होंने ग्लोइंग मेकअप किया और अपने खुले बालों में बेहद खूबसूरत पोज दिए. उनके किलर पोज और दिलकश लुक ने फैंस का दिल जीत लिया. इन तस्वीरों को देख फैंस उनके आकर्षक लुक और फैशन सेंस की तारीफ कर रहे हैं. निक्की की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी हैं और उनके फैंस उनके इस लुक को लेकर काफी दीवाने हो गए हैं.

बता दें कि एक्ट्रेस निक्की तंबोली का हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है। और आए दिन वो अपनी अदाओं से इंटरनेट का पारा बढ़ाती रहती हैं। निक्की तंबोली अपने लुक्स से बी-टाउन की बड़ी-बड़ी हसीनाओं को मात देती हैं। अभिनेत्री निक्की तंबोली फैशनिस्ट से कम नहीं हैं। उनका बोल्ड लुक अक्सर इंटरनेट पर लाइमलाइट बटोरता रहता है।

'आशिकी-3' से बाहर नहीं हुईं हैं तृप्ति डिमरी, अनुराग बसु ने किया कन्फर्म

बॉलीवुड एट्रेस तृप्ति डिमरी को लेकर अनुराग बसु की फिल्म 'आशिकी 3' पर एक बड़ी अपडेट आई है। फिल्म के निर्देशक ने इस बात की पुष्टि की है कि एट्रेस अब भी फिल्म का हिस्सा हैं।

बुलबुल, एनिमल और भूल भुलैया 3 जैसी फिल्मों में शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी इन दिनों अनुराग बसु की अपकमिंग रोमांटिक फिल्म 'आशिकी-3' को लेकर जबरदस्त सुर्खियां बटोर रही हैं। पिछले दिनों एक्ट्रेस को लेकर खबर आई थी कि एक्ट्रेस को फिल्म से निकाल दिया गया है और इसकी वजह उनकी साल 2024 में आई फिल्म 'एनिमल' है क्योंकि इस फिल्म में एक्ट्रेस ने कई बोल्ड सीन्स दिए थे, जिसके बाद उन्हें बोल्ड एक्ट्रेस का टैग भी मिल गया था। वहीं, आशिकी 3 के मेकर्स को एक ऐसी एक्ट्रेस की तलाश थी, जिसके चेहरे पर काफी मासूमियत हो। अब इन खबरों पर फिल्म के डायरेक्टर अनुराग बसु ने चुप्पी तोड़ी है और बताया है कि तृप्ति डिमरी अब भी फिल्म का हिस्सा हैं। आइए बताते है उन्होंने आगे क्या कुछ कहा।

तृप्ति डिमरी के रोमांटिक फिल्म 'आशिकी 3' से बाहर होने की खबरें तब तेज हुईं, जब कार्तिक आर्यन ने फिल्म के मुहूर्त शूट के लिए परफॉर्म किया। अब इन खबरों पर सफाई देते हुए अनुराग बसु ने कहा, यह सच नहीं है, तृप्ति भी यह जानती है। निर्देशक की इस अपडेट के बाद यह बात साफ है कि एक्ट्रेस कार्तिक आर्यन के साथ एक बार फिर बड़े पर्दे पर रोमांस करते हुए दिखाई देंगी।

तृप्ति डिमरी का वर्कफ्रंट

तृप्ति डिमरी जल्द ही बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर के साथ विशाल भारद्वाज की फिल्म में नजर आएंगी, जो 5 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म में नाना पाटेकर और रणदीप हुड्डा भी अहम् भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म के बारे में अभी और कोई अपडेट सामने नहीं आई है। इसके अलावा एक्ट्रेस कारन जौहर की 'धड़क 2' का भी हिस्सा हैं, जिसमें वह सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ दिखाई देंगी। उनकी यह फिल्म साल 2018 में आई रोमांटिक फिल्म 'धड़क' की सीक्वल है। तृप्ति ने साल 2024 में तीन फिल्मों की थीं, जिनमें 'बैड न्यूज', 'भूल भुलैया 3' और 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' शामिल है।

पैरों में दर्द क्यों होता है? एक्सपर्ट ने बताई 5 वजह

बहुत सारे लोग अक्सर पैरों में दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं। किसी को तलवे में तो किसी को पूरे पैर में दर्द रहता है। लोग अक्सर ये समझ नहीं पाते हैं कि पैरों में दर्द क्यों होता है? कई लोगों को खराब फिटिंग या ऊंची एड़ी वाले जूते पहनने से पैर में दर्द रहता है। तो किसी की मांसपेशियों के कमजोर होने की वजह से पैर दर्द रहता है। कुछ लोगों का वजन ज्यादा होता है उनके पैर में अक्सर दर्द करते हैं। वहीं कुछ लोगों की नौकरी ऐसी होती है जिसमें उन्हें लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ता है, उनके भी पैर अक्सर दर्द करते रहते हैं। शुगर और यूरिक एसिड बढ़ने पर भी एड़िया दर्द करती हैं। हेल्थ एक्सपर्ट ने पैरों में दर्द होने की 5 वजह बताई हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में।

इन 5 कारणों से आपके पैरों में होता है दर्द

विटामिन बी-12 और विटामिन डी की कमी

हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया कि जिन लोगों के शरीर में विटामिन इ्12 और विटामिन डी की कमी होती है, उनके पैर अक्सर दर्द करते हैं। क्योंकि इन विटामिन्स की कमी होने के कारण नसों की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है।

लगातार दर्द होने पर करें ये काम

अगर आपके पैरों में भी लगातार दर्द और है ऐंठन महसूस होती है तो आपको विटामिन बी12 और डी के स्तर को चेक कराना चाहिए। डॉक्टर के सुझाव पर आपको सप्लीमेंट्स और फूड्स को डाइट का हिस्सा बनना चाहिए

बहुत ज्यादा इंटेंसिटी वाली एक्सरसाइज

जो लोग लंबे समय तक एक्सरसाइज नहीं करते हैं और अचानक से एक दिन उठकर बहुत ज्यादा एक्सरसाइज कर लेते हैं। उनके भी पैरों में दर्द हो सकता है। इसलिए अचानक से बहुत ज्यादा इंटेंसिटी वाली एक्सरसाइज ना करें। पहले धीरे-धीरे शुरुआत करें फिर इसे बढ़ाएं।

मिनरल्स की कमी के कारण

जिन लोगों के शरीर में मिनरल्स की कमी होती है उनमें भी पैर दर्द की समस्या रहती है। आयरन की कमी के चलते रक्त संचार में रुकावट आती है। मैग्नीशियम और जिंक की कमी के चलते मसल्स में खिंचाव और दर्द होता है।

नसों से जुड़ी समस्या

जिन लोगों को सायटिका की समस्या होती है उनके भी पैर दर्द करते रहते हैं। यह एक नसों से जुड़ी समस्या है जो पैरों में तीव्र दर्द का कारण बनती है,अगर आपको दर्द महसूस हो तो नसों के डॉक्टर से जरूर दिखाएं।

पानी की कमी के कारण

पानी की कमी के कारण भी पैर दर्द करते हैं। डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी के कारण भी पैरों में दर्द हो सकता है। पानी की कमी के कारण रक्त संचार में रुकावट आती है, जो पैरों में दर्द का कारण बन सकता है। इसलिए दिन भर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है।

वॉर-2 में इतनी दमदार बॉडी में दिखेंगे ऋतिक रोशन

तस्वीर में मसल्स देख बोले फैंस-फायर नहीं

बॉलीवुड के सुपरहीरो ऋतिक रोशन को बीते साल एरियल एक्शन फिल्म फाइटर में देखा गया था। फिल्म फाइटर ने बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस किया था। वहीं, अब ऋतिक रोशन अपनी अगली मास एक्शन फिल्म वॉर 2 से चर्चा में हैं। फिल्म वॉर 2 में ऋतिक रोशन के साथ साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर भी नजर आने वाले हैं। वॉर 2 मौजूदा साल के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होगी। इससे पहले ऋतिक रोशन ने अपने फैंस को बड़ा सरप्राइज दिया है। ऋतिक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी दमदार तस्वीर शेयर की है।

इस तस्वीर में ऋतिक रोशन अपनी लीन बॉडी पर कसे हुए मसल्स फ्लॉन्ट कर रहे हैं। ऋतिक रोशन ने अपनी इस तस्वीर को शेयर कर लिखा है, जेनरेशन के लिए प्रेरणा। इस तस्वीर पर अब फैंस और सेलेब्स के रिएक्शन की बाढ़ गई है। इस तस्वीर में ऋतिक रोशन एब्स और बाइसेप्स देख अच्छे-अच्छे हिल गए हैं। ऋतिक रोशन की मसल्स वाली तस्वीर पर फैंस ही नहीं बल्कि सेलेब्स भी कमेंट्स पोस्ट कर रहे हैं।

ऋतिक रोशन की तस्वीर पर फिल्म कोई मिल गया कि उनकी को-स्टार प्रीति जिंटा ने कमेंट बॉक्स में फायर इमोजी पोस्ट किए हैं। वहीं, ऋतिक रोशन की कजिन और इश्क विश्क रिबाउंड से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस पश्मीना रोशन ने लिखा है, कोई फायर ब्रिगेड बुलाओ। ऋतिक की तस्वीर पर उनके पिता राकेश रोशन ने भी कमेंट बॉक्स में फायर इमोजी पोस्ट किये हैं। वहीं, इस तस्वीर पर ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड सबा आजाद का कोई रिएक्शन नहीं आया है। वहीं, ऋतिक रोशन के फैंस की इसन तस्वीर पर आंखे फटी की फटी रह गई है।

ज्यादा मोबाइल देखने वालों के लिए बड़ी खबर, तुरंत बदलें ये आदत

कार्डियोवैस्कुलर का खतरा

आजकल हर किसी के हाथ में स्मार्टफोन दिख जाता है। यूं तो ये बहुत काम की चीज है लेकिन कुछ लोग इसे बहुत ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। अगर आप भी इनमें से एक हैं तो ये खबर आपके लिए ही है। अगर आपको भी ज्यादा फोन चलाने या देखने की आदत है तो इसे तुरंत बदल लीजिए। नहीं तो इससे आपको एक-दो नहीं बल्कि कई तरह की घातक और जानलेवा बीमारियां हो सकती हैं। एक स्टडी के मुताबिक मोबाइल कॉल्स से हार्ड डिजीज बढ़ सकता है। इतना ही नहीं कैनेडियन जर्नल ऑफ कार्डियोलॉजी में पब्लिश एक रिसर्च के मुताबिक ज्यादा मोबाइल यूज करने वालों में 21 प्रतिशत तक कार्डियोवैस्कुलर का खतरा ज्यादा होता है। आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

5 मिनट से 29 मिनट तक फोन चलाने पर क्या होता है?

रिसर्च में बताया कि एक दिन में 5 मिनट से 29 मिनट तक फोन चलाने वालों को कार्डियोवैस्कुलर का खतरा 3 पर्सेंट का रहता है।

आधे घंटे फोन चलाने पर ये होता है खतरा

एक दिन में 30 मिनट से 59 मिनट तक, स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने वाले लोगों को कार्डियोवैस्कुलर का खतरा 7 परसेंट तक रहता है। अगर 1 से 3 घंटे फोन चलाए तो क्या होगा? 1-3 घंटे तक मोबाइल चलाने वालों के बीच में कार्डियोवैस्कुलर का जोखिम 13 परसेंट का रहता है।

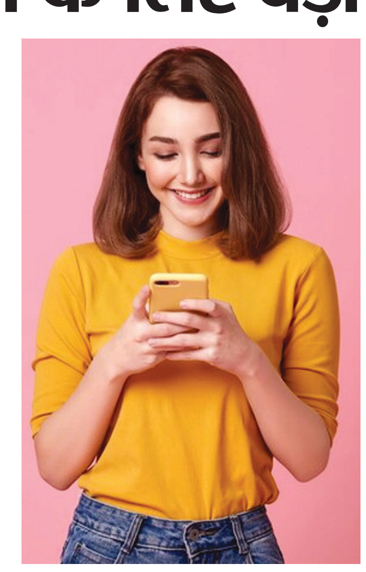

4-6 घंटे फोन चलाने पर खतरा

अगर कोई 4-6 घंटे तक मोबाइल चलाता है तो उसमें कार्डियोवैस्कुलर का खतरा 15 पर्सेंट तक रहता है। वहीं 6 घंटे से ज्यादा फोन चलाने वालों को यह खतरा 21 परसेंट तक रहता है।

ज्यादा स्मार्टफोन इस्तेमाल करने के नुकसान

- नींद से जुड़ी समस्याएं
- मानसिक तनाव का बढ़ना
- आत्मविश्वास की कमी
- कंप्यूटर विजन सिंड्रोम
- रीढ़ की हड्डी पर गंभीर असर
- स्किन से जुड़ी समस्याएं

ज्यादा फोन चलाने से सेहत को क्या होता है नुकसान?

जो व्यक्ति ज्यादा एक्टिव नहीं रहते हैं और ज्यादा वक्त स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं उन्हें हार्ट और स्ट्रोक का खतरा का काफी ज्यादा बढ़ जाता है। वजन और प्रेशर कंट्रोल में भी रहे लेकिन हार्ट स्ट्रोक का खतरा बढ़ा रहता है। उन्हें गंभीर इकोकार्डियोग्राफी बीमारी होती है। कम उम्र में मोटापा और टाइप-2 डायबिटीज हो सकती है। न्यूरोडीजेनेरेटिव की बीमारी और दिल से जुड़ी बीमारी का खतरा रहता है।

सरस मेले से बढ़ेगा महिला समूहों का आत्मविश्वासः कृषि मंत्री

38.17 करोड़ रूपए की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन, मेले में महिला समूहों ने की एक करोड़ रूपए की बिक्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि मंत्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में क्षेत्रीय सरस मेला का समापन हुआ। वहीं आज छत्तीसगढ़ में दान लेन-देन का प्रसिद्ध छेरछेरा पर्व के अवसर पर सरस छेरछेरा महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी, रायगढ़ लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया एवं राज्यसभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। मंत्रीद्वय ने प्रदेषवासियों को छेरछेरा पर्व बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मंत्रीद्वय द्वारा इस मौके पर 38.17 करोड़ रूपए लागत की 21 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। सरस मेले में महिला समूहों द्वारा 01 करोड़ रुपए की विभिन्न उत्पादों की बिक्री की गई। महिला समूहों द्वारा मेले के समापन तक 99 लाख 97 हजार 200 रुपये की बिक्री हुई थी। वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने 2800 रुपये की खरीदी की जिससे आंकड़ा 01 करोड़ रुपए पहुंच गया।

मंत्री नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ की कला एवं संस्कृति बहुआयामी है। यहां हमें कई प्रकार के लोक नृत्य, जातियां, लोक कला, मेले, भाषा, शिल्प और विशेष व्यंजन देखने को मिलते हैं। प्रदेश में यहां के आभूषणों, वस्त्रों का विशेष स्थान है जो यहां की संस्कृति को और अधिक प्रभावशाली एवं समृद्ध बनाती हैं। प्रदेश की महिला स्व सहायता से जुड़ी महिलाएं राज्य की संस्कृति को सहेजने के साथ ही आर्थिक रूप से सशक्त बन रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार भी छत्तीसगढ़ को विरासत में मिली इस संस्कृति को संजोए रखने के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही है। इससे महिला समूहों के आत्मविश्वास को बल मिल रंहा है। इसी का उदाहरण सरस मेला में देखने को मिल रहा है। कृषि मंत्री नेताम ने कहा कि कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ को एक मॉडल स्टेट बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में बेहतर नीतियों से हमारी सरकार के द्वारा जन-जन तक लाभ पहुंचाया जा रहा है और गरीब परिवारों को योजनाओं का लाभ देना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने कहा कि रायगढ़ में पहली बार आयोजित सरस मेले ने प्रदेश के हस्तशिल्प एवं संस्कृति से जन-जन को जोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मेले में महिला समूहों ने बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी निभायी है। दस दिनों में 1 करोड़ रुपए की बिक्री महिला समूहों द्वारा की गई है। यह बड़ी उपलब्धि है इसके लिए सभी समूहों को बहुत बधाई। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने आगे कहा कि पिछले एक साल में क्षेत्र के विकास के लिए बहुत से कार्य प्रारंभ किए गए है। गरीबों के लिए आवास निर्माण का कार्य पूरी तेजी के साथ हो रहा है। सड़कों के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से कराया जा रहा है। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि किसानों को आर्थिक मजबूती प्रदान करने के लिए कृषक उन्नति योजना के माध्यम से दो साल का बोनस दिया गया। इसी तरह किसानों से 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल के मान से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदा जा रहा है। रामलला दर्शन योजना के माध्यम से बुजुर्गो को अयोध्या धाम के दर्शन कराए जा रहे है। यहां नालंदा परिसर का निर्माण होने जा रहा है, जो आने वाली पीढ़ी के उज्जवल भविष्य की मजबूत बुनियाद बनेगा।

मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि जिले में प्रयास विद्यालय का संचालन हो रहा है। महतारी सदन एवं रायगढ़ में दीदी सदन का निर्माण कार्य हो रहा है। हार्टीकल्चर विद्यालय की स्थापना होने जा रहा है। केलो डेम में नहरों का निर्माण कार्य पूरा कराया जा रहा है। जिससे किसानों के खेतों तक पानी पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया टीम के लिए यहां अत्याधुनिक डिजीटल क्रियेटर सेंटर का निर्माण भी होगा। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा महिला समूहों के स्टॉलों का अवलोकन किया गया।

कार्यक्रम को लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया ने भी सम्बोधित किया। सरस मेला में रायगढ़ समेत छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों से बिहान की महिला स्व-सहायता समूह की दीदियां एवं अन्य राज्यों जैसे-झारखण्ड, बिहार, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, असम, महाराष्ट्र की स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने भाग लिया है। सरस मेला में 224 से अधिक स्टॉल लगाये है, जिनमें 268 से अधिक महिला स्व-सहायता समूह की दीदियों ने भाग लिया है।

धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के धरोहरों को सहेजने का काम कर रही है हमारी सरकार : मंत्री बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल बेमेतरा जिले के विकासखण्ड नवागढ़ अंतर्गत ढनढनी जूनी सरोवर मेला में शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर जूनी माता की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा और छेर-छेरा पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी। मंत्री श्री बघेल ने इस दौरान ग्राम ढनढनी में 55 लाख रूपए के दो विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें 40 लाख रूपए की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन और 15 लाख रूपए की लागत से निर्मित गौरव पथ शामिल है।

खाद्य मंत्री श्री बघेल ने कहा कि जूनी मेला हमारे छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध मेला है। मेले में लोग श्रद्धा से आते हैं और माता जी का आशीर्वाद लेते है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के धरोहरों को सहेजने का काम कर रही है। साथ ही उसके संरक्षण और संवर्धन के लिए कार्ययोजना बना कर कार्य कर रही है। इस अवसर पर वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता तुकाराम साहू, नगर पंचायत नवागढ की अध्यक्ष श्रीमती मंजूलता रात्रे, बेमेतरा जिला पंचायत सदस्य अंजु बघेल सहित राकेश राजपुत, खेमराज ठाकुर, वंशी सिंह ठाकुर, मनराखन साहू, पंचराम साहू, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

रायगढ़ के पटेलपाली में बनेगी आदर्श मंडी : मंत्री नेताम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायगढ़ के पटेलपाली में किसानों की सुविधा के लिए आदर्श मंडी बनेगी। यह मंडी हाईटेक होगी। इस मंडी में थोक सब्जी व फल के विक्रय के लिए विभिन्न सुविधाएं विकसित की जाएंगी। कृषि मंत्री राम विचार नेताम और वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने आज पटेलपाली में मंडी के उन्नयन कार्य का भूमिपूजन किया। इस मंडी के उन्नयन के लिए 4 करोड़ 87 लाख रुपए स्वीकृत की गई है। कार्यक्रम में सांसद द्वयश्री राधेश्याम राठिया एवं देवेन्द्र प्रताप सिंह उपस्थित थे।

शुभारंभ कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि आज छेरछेरा के पर्व पर हम किसानों को समर्पित इस सब्जी मंडी के उन्नयन कार्य का भूमि पूजन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस सब्जी मंडी के उन्नयन का कार्य प्रदेश के वित्त मंत्री व रायगढ़ के विधायक ओ.पी. चौधरी के अनुशंसा पर किया गया है। इस मंडी के बनने से किसानों को यहां उन्नत सुविधा मिलेगी तथा यहां किसानों के व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने स्थानीय लोगों की मांग पर कहा कि यहां जल्द ही सड़क निर्माण किया जाएगा।

वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी नें कहा कि पटेलपाली सब्जी और फल मंडी को आदर्श मंडी के रूप में विकसित करने के लिए करीब 5 करोड़ रुपए की लागत के विभिन्न कार्य यहां पर किए जाएंगे। इसके सारी प्रक्रिया पूरी करने के पश्चात टेंडर की कार्यवाही पूर्ण हो चुकी है। अब भूमिपूजन के बाद यहां निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह मंडी इस अंचल के हजारों किसानों उम्मीदों और सपनों का प्रतीक होगा। अतरू इसका निर्माण पूरी गुणवत्ता के साथ तय समय पर पूरा किया जाए। इस अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधि एवं समस्त थोक फल सब्जी व्यापारी सहित अंचल के कृषक गण उपस्थित रहे।

मॉडल मंडी में होंगी ये सुविधाएं

पटेलपाली मंडी को मॉडर्न हाईटेक मंडी के रूप में विकसित किया जा रहा है। मंडी 17.12 एकड़ क्षेत्रफल में स्थित है। पटेल पाली मंडी के लिए स्वीकृत कार्यों में 07 छायादार चबुतरा का मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्य किया जायेगा। परिसर में निर्मित सी.सी.रोड की मरम्मत, वाहनों की पार्किंग का निर्माण, स्ट्रीट लाईट एवं हाई मास्क लाईट की मरम्मत, मेन गेट, चेक पोस्ट स्थापित करने के साथ काऊ केचर, बूम बेरियर और परिसर में सीसी टीवी कैमरा लगाने का कार्य व कम्प्यूटर सेट, तड़ित चालक लगाने का काम होगा। यहां 100 टन का धरमकांटा कम्प्यूटर सेट व अन्य जरूरी उपकरणों की व्यवस्था आदि की जाएगी।

समाज के हर वर्ग को समान अवसर प्रदान कर रही है छत्तीसगढ़ सरकार

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने जिले के 40 दिव्यांगजनों को स्कूटी वितरण कर बढ़ाया उनका आत्मविश्वास

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कबीरधाम जिले में दिव्यांगजनों के जीवन को नई दिशा देने की एक अभूतपूर्व पहल करते हुए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने 40 दिव्यांगजनों को स्कूटी का वितरण किया। यह वितरण सीएसआर मद से किया गया, जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों के जीवन को सरल, सुलभ और आत्मनिर्भर बनाना है। उपमुख्यमंत्री के साथ जिले के प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधियों ने दिव्यांगजनो के हाथों में पेट्रोल चलित स्कूटी की चाबियां सौंपी।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार दिव्यांगजनों के उत्थान और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सतत प्रयासरत है। यह स्कूटी न केवल उनकी भौतिक कठिनाइयों को कम करेगी, बल्कि उनके आत्मविश्वास और मानसिक शक्ति को भी बढ़ावा देगी। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार दिव्यांगजनो के कल्याण के लिए और भी कई योजनाओं पर काम कर रही है, ताकि उन्हें बेहतर जीवन और समाज में समान अधिकार मिले। समाज में दिव्यांगजनो के प्रति यह संवेदनशील पहल न केवल उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करती है, बल्कि यह पूरे समाज में समानता और समावेशिता का संदेश भी फैलाती है। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इस तरह की योजनाओं से दिव्यांगजनो को न केवल शारीरिक मदद मिलती है, बल्कि यह उनकी मानसिक स्थिति को भी सशक्त बनाता है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि यह स्कूटी दिव्यांगजनो के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार हमेशा यह सुनिश्चित करेगी कि समाज के हर वर्ग को समान अवसर मिलें और उन्हें कोई भी कठिनाई का सामना न करना पड़े। इस पहल ने न केवल 40 दिव्यांगजनों की जिंदगी को नया मोड़ दिया, बल्कि समाज में समानता और समावेशिता का संदेश भी दिया है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इस योजना के अंतर्गत अब तक कुल 73 दिव्यांगजनो को स्कूटी प्रदान कर चुके है। इससे पहले भी उन्होंने 33 दिव्यांगजनो को इसी तरह की सहायता प्रदान की थी।

उनका उद्देश्य है कि दिव्यांगजन आत्मनिर्भर बनें और उन्हें समाज में बराबरी का दर्जा मिले। इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष मनहरण कौशिक, जनपद उपाध्यक्ष डॉ बीरेन्द्र साहू, सतविंदर पाहुजा, कैलाश चन्द्रवंशी, चन्द्रप्रकाश चन्द्रवंशी सहित जन प्रतिनिधि समस्त पत्रकार गण उपस्थित थे। दिव्यागजनों के जिंदगी में आया एक नया मोड़, अपने सपनों को कर पाएंगे आसानी से पूरा स्कूटी मिलते ही दिव्यांग हितग्राहियों के चेहरों पर खुशी की लहर देखने को मिली। हितग्राहियों ने खुशी जताते हुए कहा कि अब उनकी जिंदगी में एक नया मोड़ आएगा और वे अपने सपनों को आसानी से पूरा कर पाएंगे। दिव्यांग हितगाही छोटी मेहरा ने बताया कि यह स्कूटी मेरे लिए एक नई उम्मीद और आत्मविश्वास का प्रतीक है। अब मैं खेल प्रशिक्षण और अपने कार्यों को स्वाभाविक रूप से और आसानी से पूरा कर सकती हूं। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने 40 दिव्यागजनों को सौंपी स्कूटी की चाबी उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज 40 दिव्यागजनों को स्कूटी की चाबी सौंपी। इनमें गोपी सोनी, सियाराम चंद्रवंशी, उमेश सिंह राजपुत, सरस्वती जायसवाल, सरताज आलम, मनोज गंधर्व,गोपी नाथ योगी, विनोद साहू, पूरन नेताम, बिटो साहू, राजू सोनले, कु. प्रमीला जायसवाल, देवसिंह अहिरे, रामाधार पटेल, रोहित कुमार पटेल, सेवक राम साहू, रमेश्वर कोशले, भगत राम निषाद, उतरा जांगडे, कुमारी संध्या सोनी, अंतू राम घृतलहरें, शोभा राम पटेल, भुपेंन्द्र निषाद, अशोक कुमार, लाल साहू, छोटी मेहरा, खिलेश यादव, यशवंत कुंभकार, ललिता पटेल, रामफुलिया पटेल, गंगाराम साहू, सोनलाल पटेल और देवकुमार टंडन को स्कूटी वितरण किया गया।

कृषक प्रमोद सिंह की मेहनत और सपनों का सकार कर रही कृषक उन्नति योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में प्रदेश के किसानों को 3100 प्रति क्विंटल की दर पर धान की कीमत मिलने से उनके सपनों को पंख लग गए हैं। ऐसे ही एक किसान हैं श्री प्रमोद सिंह, जो अपने बच्चों को डॉक्टर और शिक्षक बनाने का सपना देख रहे हैं और इसे साकार करने के लिए कृषि कार्य में निरंतर मेहनत कर रहे हैं।

ग्राम पंचायत भफौली के रहने वाले प्रमोद सिंह परसा धान उपार्जन केन्द्र में हर साल करीब 140 क्विंटल धान बेचते हैं। उनके लिए यह केवल एक खेती का काम नहीं, बल्कि अपने बच्चों के भविष्य को संवारने का एक ज़रिया बन चुका है। उन्होंने बताया कि पिछले साल धान की अंतर राशि करीब 1 लाख 28 हजार रुपए मिले थे। जिससे बच्चों को कोचिंग में मदद मिल गई थी। प्रमोद सिंह बताते हैं कि उनके दो बच्चे हैं, एक भिलाई में नीट की तैयारी कर रहा है और दूसरा रायपुर में बीएड की तैयारी में जुटा हुआ है। प्रमोद सिंह का सपना है कि उनके दोनों बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर समाज में प्रतिष्ठित नागरिक बनें और प्रदेश की सेवा करें। उनका मानना है कि अगर बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलती है तो वे अपने पैरों पर खड़े होकर समाज के विकास में अपना योगदान दे सकते हैं। कृषक उन्नति योजना के तहत धान की मिलने वाली अंतर राशि उस सपने को पूरा करने में मददगार बनी है।

सुशासन की सरकार में धान के उपज का उचित मूल्य मिलने पर उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार लाया है। मुख्यमंत्री ने जो गारंटी किसानों से जो वादा किया था वो पूरा कर रहे हैं। जिससे बच्चों की शिक्षा में कोई कमी नहीं आ रही है। प्रमोद सिंह का कहना है कि, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों को मिल रही धान की कीमत ने हमें अपने बच्चों के सपनों को पूरा करने का एक मौका दिया है। अब हम अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

सरकार की किसान-हितैषी योजनाओं ने किसानों को बेहतर जीवन जीने का अवसर प्रदान किया है। प्रमोद सिंह की कहानी उनकी मेहनत और दृढ़ संकल्प की मिसाल है, उनके लिए यह योजना सिर्फअनाज उगाने का तरीका नहीं, बल्कि एक सशक्त भविष्य की दिशा बढ़ते क़दम है।

दीक्षांत समारोह की तैयारियों का कलेक्टर-एसपी ने लिया जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर के 11वें दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति महामहिम जगदीप धनखड़ के आगमन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। कलेक्टर अवनीश शरण और एसपी रजनेश सिंह ने आज स्थल निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने पंडित सुंदरलाल शर्मा ओपन विवि परिसर हेलीपैड और उनके विश्राम गृह में चल रही तैयारी का निरीक्षण किया।

मुख्य कार्यक्रम स्थल रजत जयंती सभागार को भी देखा और काम कर रहे अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने प्रोटोकॉल और उप राष्ट्रपति कार्यालय की निर्देशों के अनुरूप तैयारी में कोई कमी नहीं रखने के निर्देश दिए। एसपी सिंह ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से पुलिस और सुरक्षा बलों को निर्देश दिए। जिला प्रशासन, पुलिस और विश्व विद्यालय प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी मौजूद थे। उप राष्ट्रपति जी के 15 तारीख को अपराह्न 3 बजे के लगभग आने की संभावना है।

खास खबर

भाभी को पत्नी बनाकर रखा था युवक, अब की हत्या

सरगुजा (ए.)। जिले में हत्या का एक खौफनाक मामला सामने आया है। जहां देवर ने अपनी भाभी की हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। मृत महिला की लाश सोमवार की सुबह घर के बाहर मिली, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने जांच के दौरान शव के चेहरे और सिर में गंभीर चोट के निशान पाए। पूरा मामला लखनपुर थाना क्षेत्र की कुन्नी पुलिस चौकी का है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम कुन्नी तेंदूघाट निवासी मृतिका मान कुंवर से उसका पति देव चंद दास (42) अलग होकर रह रहा था। 6 महीना पहले ही मृतका मान कुंवर को उसका देवर विष्णु दास अपने साथ भगाकर ले गया। दोनों अपने जीवन को खुशी से बिता रहे थे। लेकिन इस रिश्ते में शराब ने खलल डाल दिया। दोनों के बीच शराब को लेकर विवाद होते रहता था। बीती 12 जनवरी की रात घर से 200 मीटर दूर विष्णुदास और मान कुंवर के बीच फिर से शराब को लेकर लड़ाई शुरू हो गई। जिसके बाद मान कुंवर को विष्णुदास मारते हुए घर में लेकर आया और पत्थर से सिर और चेहरे पर प्राण घातक हमला कर दिया। मौके पर गंभीर रूप से चोटिल मान कुंवर का बहुत खून बह गया, जिससे उसकी मौत हो गई। सोमवार की सुबह लगभग 7:30 बजे मृतिका का देवर सिया दास घर पहुंचा तो देखा कि उसकी भाभी खून से लटपथ मृत हालत में पड़ी हुई है। जिसके चेहरे और सिर में गंभीर चोट के निशान है। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस पंचनामा कर आगे की कार्रवाई कर रही है। आरोपी देवर विष्णु दास रात से ही फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस जुट गई है।

सरेआम युवक-युवती का रोमांस, हो सकती है गिरफ्तारी

बिलासपुर (ए.)। अधुनिकता के इस दौर में युवाओं में आज कल समय से आगे चलने ही होड़ लगी हुई है। इस रेस में युवा इतनी तेजी से आगे चल रहे हैं कि उन्हें सही और गलत की परवाह भी नहीं है। इस दौर में युवाओं में रोमांस करने का तरीका भी बदल गया है। जहां पहले बंद कमरे में युवक-युवती का मिलन होता था, तो वहीं युवाओं में अब खुल्लम-खुल्ला प्यार करने का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। पब्लिक प्लेस में रोमांस का कई वीडियो सामने आ चुका है। ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

एक युवक-युवती बीच सड़क पर अपनी स्कूटर खड़े करते हैं और वहीं पर ही रोमांस करना शुरू कर देते हैं। हालांकि सामने सड़क बंद करने के लिए बैरिकेडिंग भी किया गया है। वहीं, वीडियो में आप देख सकते हैं कि युवक-युवती के बगल से लोग आना जाना कर रहे हैं लेकिन प्रेमी जोड़े को कोई फर्क ही नहीं पड़ रहा है।

मुठभेड़ में 5 नक्सली ढेर, 15 लाख के थे इनामी:बीजापुर में शव लेकर पहुंचे जवान, एसएलआर समेत कई हथियार भी बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में बीजापुर जिले के बंदेपारा इलाके में हुई मुठभेड़ में जवानों ने 2 महिला समेत 5 नक्सलियों को मार गिराया है। इनमें से 4 की शिनाख्त की जा चुकी है। सभी के शव समेत हथियार लेकर जवान जिला मुख्यालय पहुंचे हैं। मारे गए 4 माओवादियों पर कुल 15 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इनमें डीवीसीएम और पीपीसीएम कैडर के भी नक्सली हैं।

बता दें कि पुलिस को सूचना मिली थी कि मद्देड़ इलाके के बंदेपारा के जंगल में भारी संख्या में नक्सलियों का जमावड़ा है। इसी सूचना पर रविवार को डीआरजी के जवानों को सर्च ऑपरेशन के लिए निकाला गया था। जवान जब मौके पर पहुंचे थे तो नक्सलियों ने फायर खोल दिया था। जवानों ने भी मोर्चा संभाला और माओवादियों की गोलियों का मुंहतोड़ जवाब दिया। दोनों तरफ से दिनभर रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही।

एसपी जितेन्द्र यादव ने कहा- बड़ी कामयाबी है

जब मुठभेड़ रुकी तो जवानों ने सर्च ऑपरेशन चलाया। जिसमें 5 नक्सलियों के शवों को बरामद कर लिया गया। साथ ही घटना स्थल से भारी संख्या में हथियार समेत अन्य सामान भी बरामद किए गए। वहीं सभी के शवों को लेकर जवान जिला मुख्यालय पहुंचे हैं। एसी जितेंद्र यादव ने कहा कि यह पुलिस की बड़ी कामयाबी है।

ये हैं मारे गए नक्सलियों के नाम

- रैनु हेमला - डीवीसीएम, प्लाटून नंबर 2 कमाण्डर- 8 लाख रुपए इनामी
- ज्योति ताती, मद्देड़ एरिया कमेटी, प्लाटून नंबर 11 पीपीसीएम - 5 लाख रुपए इनाम
- रमेश एचाम , मिलिशिया प्लाटून कमांडर, नेशनल पार्क एरिया कमेटी, 1 लाख रुपए इनामी
- रमेश मिच्चा , मिलिशिया प्लाटून सदस्य नेशनल पार्क एरिया कमेटी, 20 हजार रुपए
- अज्ञात वर्दीधारी महिला माओवादी, शिनाख्त की जा रही है।

यह हथियार बरामद

1 नग एसएलआर, 3 मैग्जीन, 52 राउंड, 1 नग 12 बोर, 14 राउंड, 1 नग बीजीएल लॉन्चर, 8 सेल, 1 नग 315 राइफल, 15 राउंड, 1 नग भरमार बंदूक, भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, नक्सल साहित्य, दैनिक उपयोगी सामान बरामद।

डबल मर्डर से सनसनी : घर में घुसकर भाई-बहन की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में सोमवार को डबल मर्डर से सनसनी फैल गई। यहां एक घर में घुसकर भाई-बहन की बेरहमी से हत्या कर दी गई। दोनों की लाश घर के अंदर लहूलुहान हालत में मिली है। शरीर पर चोट के निशान मिले है और सिर पर धारदार हथियार से वार किया गया है। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस की टीम पहुंच गई है। फोरेंसिक टीम व डॉग स्क्वाड के साथ मामले की जांच की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना कोतवाली थाना क्षेत्र पुरानी हटरी की है।

बताया जा रहा है कि यहां सीताराम जायसवाल (70) अपनी बहन अन्नपूर्णा जायसवाल (68) के साथ रहता था। सोमवार की सुबह दोनों की लहूलुहान हालत में लाशे पाई गई। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद पुलिस और एफएसएल व फोरेंसिक की टीम पहुंची और जांच शुरू की। शुरुआती जांच में दोनों की हत्या की बात सामने आई है। आशंका जताई जा रही है कि देर रात दोनों की हत्या की गई है। हत्या किसने और क्यों की है इसका पता नहीं चला है। पुलिस की टीम फिलहाल सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

बीजापुर में पत्रकार मुकेश के अस्थि कलश को तोड़कर मैदान में बिखेर दी अस्थियां

एसपी तक पहुंची शिकायत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के बाद अब उनके अस्थिकलश को तोड़ने का मामला सामने आया है। अंतिम संस्कार करने के बाद जब परिजन अस्थि कलश लेने गए तो वह गायब मिला। इसके बाद तलाश करने पर कुछ दूरी पर मैदान में अस्थिकलश टूटा मिला। अब इसे लेकर बस्तर जिला पत्रकार संघ ने एसपी से शिकायत की है।

बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर ने बीजापुर में करोड़ो की लागत से बन रहे घटिया सड़क निर्माण को लेकर खबर प्रकाशित की थी। इसके बाद ठेकेदार सुरेश चंद्राकर, भाई रितेश चंद्राकर, मुंशी के उसके एक अन्य सहयोगी ने मिलकर ठेकेदार के चट्टनपारा स्थित बाड़े में ले जाकर मुकेश चंद्राकर की बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद शव को सैप्टिक टैंक में छुपा दिया। पुलिस में मामला दर्ज होने के बाद ठेकेदार के बाड़े में सर्चिंग करने के बाद मुकेश के शव को बरामद किया। इसके बाद पुलिस ने मामले में चार आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

इस घटना के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने के बाद अस्थियों को एक घड़े में रखकर उसे मुक्तिधाम के ही पेड़ में डाल से बांध दिया था। सोमवार को जब परिजन अस्थियों को लेने के लिए पहुंचे तो देखा कि दिवंगत पत्रकार मुकेश चंद्राकर की अस्थियों के साथ छेड़छाड़ की गई थी। निर्धारित स्थल से 50 मीटर दूर घड़े को तोड़कर अस्थियां जमीन में फेंक दी गईं। परिजनों ने बताया कि मुकेश की अस्थियों को कलेश्वरम में विसर्जन किया जाना था, जिसके लिए मुक्तिधाम के पास जब अस्थि कलश लेने पहुंचे तो अस्थि कलश गायब था। कुछ दूरी पर पर कलश टूटी और अस्थियां बिखरी पड़ी थी।

घूम-घूमकर एटीएम मशीन में चोरी करने वाले चार गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। कार से घूम-घूमकर शहर के महाराणा प्रताप चौक, बापजी पार्क और राजकिशोर नगर स्थित एसबीआई एटीएम मशीन के शटर बॉक्स में सफेद और नीले रंग की पट्टी चिपका चोरी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को पुलिस ने ग्राहक की सतर्कता से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके पास से 30,000 रुपये नगद, एक स्विफ्ट कार और चोरी में इस्तेमाल की गई सामग्री को जप्त कर लिया है।

पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि जब ग्राहक पैसे निकालने आता, तो नोट शटर बॉक्स में पट्टी तक आकर फंस जाते थे। ग्राहक पैसे बाहर न आने पर लौट जाता, जिसके बाद

आरोपी मौके पर जाकर पट्टी हटाकर रकम निकाल लेते थे। 11 जनवरी को बाबजी पार्क स्थित एसबीआई एटीएम में एक ग्राहक आशीष पंकज ने 9500 रुपये निकालने का प्रयास किया। पैसे बाहर न आने पर उसने देखा कि शटर बॉक्स पर पट्टी लगी हुई है। उसने तुरंत डायल 112 और एटीएम के टोल फ्री नंबर पर सूचना दी। मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की।

पुलिस अधीक्षक रजनीश सिंह के निर्देशन में एसीसीयू और सिविल लाइन पुलिस की संयुक्त टीम ने एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में संदिग्धों की गतिविधियां और उनकी गाड़ी का नंबर स्पष्ट हुआ। इसके आधार पर टीम ने ईमलीपारा के पुराने बस स्टैंड से निलेश चंद्रवंशी (31), वीरेंद्र कुमार सूर्यवंशी (38), महेंद्र कुमार पटेल उर्फ रितेश (28), और योगेश पटेल (22) को गिरफ्तार किया। उनके पास से 30,000 नकद, तीन पट्टियां और घटना में इस्तेमाल स्वीफ्ट डिजायर कार (नंबर सीजी 06 जीजेड 5129) को बरामद किया। आरोपियों ने महाराणा प्रताप चौक, बापजी पार्क और राजकिशोर नगर के एटीएम से 10,000, 9,500, और 5,500 चोरी करने की बात कबूल की है। पुलिस ने आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

100 किलो गांजा के साथ तस्कर पकड़ाए, ओड़िशा से लेकर जशपुर के रास्ते जा रहे थे उत्तर प्रदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से लगभग 35 लाख रुपए कीमत का 1 क्विंटल गांजा जब्त किया गया। पुलिस ने नाकेबंदी कर दोनों तस्करों को पकड़ा। दोनों ओड़िशा से गांजा लेकर जशपुर के रास्ते मारुति स्विफ्ट कार से यूपी जा रहे थे। दोनों यूपी के ही रहने वाले हैं। मामला तपकरा थाना क्षेत्र का है। तपकरा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ 20(ख)ii(ग) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। आरोपियों में भदोही उत्तर प्रदेश निवासी सूरज गौतम (19) व जौनपुर उत्तरप्रदेश (23) शिवम गुप्ता शामिल हैं।

दरअसल तपकरा पुलिस को सूचना मिली कि मारुति स्विफ्ट कार क्रमांक MP 09 CM 8238 से दो व्यक्ति ओड़िशा से गांजा लेकर तपकरा, घुमरा, बनडेगा मार्ग से होते हुए उत्तरप्रदेश की ओर जा रहे हैं। जिसमे चालक नीला रंग

का के जींस पैंट व स्लेटी रंग का स्वेटर पहना है तथा कार के पीछे सीट में बैठा व्यक्ति नीला रंग का जैकेट व स्लेटी रंग का पैंट पहना है। सूचना के बाद थाना प्रभारी तपकरा उप निरीक्षक खोमराज ठाकुर द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देश पर थाना तपकरा व थाना फरसबाहार की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा तपकरा, घुमरा, बनडेगा मार्ग में तत्काल नाकाबंदी की गई।

नाकेबंदी के बाद आने जाने वाले वाहनों को चेक किया जा रहा था। इस दौरान मारुति स्विफ्ट कार क्रमांक MP 09 CM-8238 आता दिखाई दिया। कार को रोक कर तलाशी लेने पर ड्राइवर के बगल वाली सीट के नीचे 07 पैकेट, पीछे की सीट के नीचे से 11 पैकेट व कार के पीछे डिक्की से 28 पैकेट इस प्रकार कुल 46 पैकेट, भूरे रंग की प्लास्टिक टेप से लिपटा हुआ गांजा बरामद किया गया। बरामद किए गए गांजे का कुल वजन 1 क्विंटल के करीब है, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 35 लाख रुपए है।

कार से गांजे के तस्करी कर रहे आरोपियों सूरज गौतम पिता धीरन बलीराम गौतम उम्र 19 वर्ष निवासी मुशीलाठपुर थाना भदोही जिला भदोही (उत्तरप्रदेश) तथा शिवम गुप्ता पिता वालेश गुप्ता उम्र 23 वर्ष निवासी सहरमा, दुर्गागंज थाना बरसठी जिला जौनपुर (उत्तरप्रदेश) को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही तस्करी के लिए प्रयुक्त कार, आरोपियों के मोबाइल, को भी पुलिस द्वारा जब्त कर लिया गया है।आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाए जाने पर थाना तपकरा में 20(ख)ii(ग) एन डी पी एस एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही की जा रही है । आरोपियों को न्यायिक रिमांड में भेजा जाएगा।

पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह ने कहा कि कि पुलिस को पुख्ता सूचना मिली थी कि गांजे की तस्करी होने वाली है, तीन थानों की पुलिस को नाकेबंदी में लगाया गया था, अंततः तस्कर पुलिस की गिरफ्त में आए। इसके मास्टर माइंड को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। नाकाबंदी एवं मादक पदार्थ गांजा की बरामदगी तथा आरोपीयो की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी तपकरा उप निरीक्षक खोमराज ठाकुर, थाना प्रभारी फरसाबहार उप निरीक्षक विवेक भगत, सहायक उप निरीक्षक अनिल कामरे , प्रधान आरक्षक अजय लकड़ा, आरक्षक सजीत मिंज, शिवशंकर, अविनाश लकड़ा, हरिशंकर साय, महिला आरक्षक नीलम पैंकरा नगर सैनिक जीवन मुडू की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

40 गुंडे-बदमाशों को सुधरने की दी समझाइश

राजनांदगांव (ए.)। राजनांदगांव पुलिस ने अपराध पर अंकुश लगाने के लिए एक बड़ी कार्रवाई की है। ASP राहुल देव शर्मा के निर्देश पर पुलिस ने कई थाना क्षेत्रों से 40 गुंडे-बदमाश और आदतन अपराधियों को थाने में बुलाया और समझाइश दी। पुलिस ने सभी अपराधियों से उनकी रोजाना गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान पुलिस ने उन्हें समझाया कि वे अपने परिवार के साथ शांतिपूर्ण जीवन जिएं और किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधियों में शामिल न हों।

पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कोई भी व्यक्ति आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई शहर में बढ़ते आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है। पुलिस ने यह कदम अपराधियों को सुधार का एक मौका देने और साथ ही उन्हें भविष्य में होने वाली कड़ी कार्रवाई के प्रति सचेत करने के लिए उठाया है। इनमें कोतवाली थाना क्षेत्र के साथ-साथ बसंतपुर, डोंगरगांव, घुमका, डोंगरगढ़, लालबाग, चिखली, तुमड़ीबोड़ और सुकुलदैहान क्षेत्र के अपराधी शामिल थे।

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

बचेली प्रवास में मुख्यमंत्री ने 160 करोड़ से अधिक राशि के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

जहां कभी गोलियों की गूंज थी, वहां अब सुनाई देता है विकास का शंखनाद : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। माओवादी खून खराबे और आतंक के पक्षधर हैं, हम विकास और सद्भाव के लिए काम कर रहे हैं। अब बस्तर की तस्वीर तेजी से बदल रही है। जहां कभी गोलियों की गूंज थी, वहां अब विकास का शंखनाद सुनाई देता है। जहां कभी बेकारी और लाचारी थी, वहीं इस जिले के ग्रामीण युवाओं को उच्च शिक्षा और रोजगार उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। हम माओवाद को जड़ से खत्म करके ही दम लेंगे। हमारे शहीद जवानों की शहादत बेकार नहीं जाने देंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल बचेली में आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में विकास का पहिया तेजी से घूम रहा है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के सपनों को साकार करने के लिए हम विजन 2047 छत्तीसगढ़ के अंतर्गत विकासशील छत्तीसगढ़ को विकसित छत्तीसगढ़ बनाने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल, बड़े बचेली में हमने 160 करोड़ रूपये के 501 कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया है।

इनमें 49 करोड़ रूपये के 367 कार्यों का लोकार्पण और 112 करोड़ रूपये के 134 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। साथ ही इस मौके पर हमने 114 करोड़ रूपये के हितग्राही मूलक कार्यों का चेक और सामग्री का वितरण भी कर रहे हैं। आज जिन बड़े विकास कार्यों का लोकार्पण हुआ है, उनमें गीदम ब्लाक के छिन्दनार से बड़ेकरका मार्ग पर 33 करोड़ रूपये का पुल, जिले के सभी विकासखंडों में एक करोड़ रूपये से बने पुल-पुलिया, गीदम, कुआकोंडा, कटेकल्याण मार्ग का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण शामिल है।इसके अलावा मोर मकान-मोर आवास के अंतर्गत सवा सात करोड़ रूपये की लागत से 321 हितग्राहियों के लिए बने पक्के मकानों की चाबी भी हमने सौंपी है। जलावर्धन और जलशोधन संयंत्र स्थापना के लिए किरंदुल में करीब 45 करोड़ और बारसूर में 15 करोड़, दंतेवाड़ा में अंतरराज्यीय बस स्टैंड और दंतेवाड़ा जिले के सभी विकासखंडों में आश्रम भवन निर्माण कार्यों के लिए हमने अभी भूमिपूजन किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आप सबको पता है कि हमारी सरकार ने सुशासन के एक साल पूरे कर लिये हैं। इस एक साल के दौरान मोदी जी की गारंटी को हमने पूरी गारंटी के साथ पूरा किया है। हमारी सरकार ने पहली बार बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जिसमें करीब 1 लाख 65 हजार लोगों ने भाग लिया। इस आयोजन की सराहना यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने मन की बात में भी की।

हमारी सरकार गांव-गरीब और किसानों के हित में लगातार काम कर रही है। तेंदूपत्ता संग्राहकों को हमारी सरकार 4 हजार रुपए से बढ़ाकर साढ़े 5 हजार रुपए प्रति मानक बोरा दे रही है। इससे वनवासियों के जीवन स्तर में बदलाव दिखने लगा है। नियद नेल्लानार योजना अंतर्गत जिले के चिन्हित सभी 765 किसानों को 48 लाख रूपये का पावर स्प्रेयर, 1 करोड़ 70 लाख रूपये की लागत से पॉवर ट्रिलर जल्द ही वितरण करने की तैयारी कृषि विभाग ने की है। नियद नेल्लानार योजना के तहत 1200 परिवारों को निःशुल्क मोबाइल फोन का वितरण किया जा रहा है। इससे दूरस्थ अंचल के ग्रामीण मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे। सुदूर अंचल के क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए जन सुविधा एक्सप्रेस अभियान के तहत करीब 4 करोड़ रूपये की लागत से 37 वाहन महिला समूहों और युवा संगठनों के माध्यम से संचालित हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यहां माता-बहनों की बड़ी संख्या में उपस्थिति है। यह इस बात का प्रमाण है कि इनके खाते में हर महीने एक-एक हजार रूपये सांय-सांय जा रहा है। अभी हाल ही में हमने इस साल के पहले दिन ही माता-बहनों के खाते में रूपये जमा कराया। इससे महिला सशक्तिकरण को बल मिला है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार गांव-गरीब और किसानों के हित में लगातार काम कर रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने अंत्योदय के विकास का जो सपना देखा था। उसे हम सब मिलकर पूरा करने में जुटे हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी का सपना है कि कोई भी भारतीय खुले आसमान के नीचे नहीं सोएगा। हर नागरिक का पक्का मकान होगा। इसी कड़ी में हमारी सरकार बनते ही हमने 18 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी।

उन्होंने कहा कि केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 3 लाख 88 हजार आवासों की स्वीकृति पुनः प्रदान की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आवास प्लस का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2024 में बहुत से लोग आवास योजना के लाभान्वित होने से वंचित हुए थे इसके साथ ही वाहन, आय और भूमि संबंधी अन्य संसाधनों होने के साथ ही वे आवास योजना के दायरे से बाहर में थे उनके लिए आवास प्लस योजना के तहत सर्वे कार्य प्रारंभ किया गया हैं। और शीघ्र ही उन्हें सूची में जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि वहीं 2.5 एकड़ सिंचित एवं 5 एकड़ असिंचित भूमि वाले किसान भी आवास योजना के लाभार्थी होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई संसाधन और सड़कों के रखरखाव पर फोकस करते हुए अंतिम छोर के व्यक्ति तक सुशासन पहुंचाने प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि दन्तेवाड़ा जिला खनिज सम्पदा और जैविक कृषि में अग्रणी जिला है। अतः क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु राज्य शासन प्रतिबद्ध है। शीघ्र ही जिले में वन्य प्राणी के संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से ''जू पार्क (चिड़ियाघर) का निर्माण भी किया जाएगा। इसके अलावा जैविक कृषि को महत्व देने के लिए सभी लेम्पस और राशन दुकानों में जैविक खाद उपलब्ध किए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने दान-पुण्य के महापर्व छेरछेरा और मकर संक्रांति की सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपने संबोधन में कहा कि सरकार के एक वर्ष के नेतृत्व में दन्तेवाड़ा जिला प्रगति के पथ पर अग्रसर है । जिले में कई योजनाएं संचालित किए जा रही है जो राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर मिसाल साबित होगी। आमसभा में सांसद बस्तर महेश कश्यप एवं क्षेत्र के विधायक चैतराम अटामी द्वारा भी जिले के विकास कार्यो पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर डीआईजी कमलोचन कश्यप, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी, एसपी गौरव राय, डीएफओ सागर जाधव तथा जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

प्यार और विश्वास के आगे हार गई नक्सल हिंसा
जहां कभी बन्दूकें गूंजती थी, अब वहां गूंज रही शहनाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल के घने जंगलों में माओवादी हिंसा की जगह अब प्रेम और विश्वास की नई इबारत लिखी जा रही है। माओवादी हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास की मुख्य धारा से जुड़ने वाले महेश-हेमला और मड़कम-रव्वा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के समक्ष परिणय सूत्र में आबद्ध होकर वैवाहिक जीवन की नई शुरूआत की है। मुख्यमंत्री ने परिणय सूत्र में आबद्ध दोनों नवदम्पत्तियों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। यह कहानी सुकमा जिले की बदलती तस्वीर है, जहां कभी बन्दूकें गूंजती थी, अब वहां शहनाईयां गूंज रही है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज 13 जनवरी को 206 करोड़ रूपए से अधिक विकास कार्यों की सौगात देने के लिए सुकमा के मिनी स्टेडियम में पहुंचे थे। लगभग सात माह पहले नक्सल हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण करने वाले मौसम महेश और हेमला, मड़कम पाण्डू और रव्वा भीमे ने जिला प्रशासन सुकमा से आग्रह किया था कि वह मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मौजूदगी में परिणय सूत्र में आबद्ध होकर नये जीवन की शुरूआत करना चाहते हैं। जिला प्रशासन ने उन चारों को भरोसा दिलाया था कि मुख्मयंत्री श्री साय का जब भी सुकमा में आगमन होगा, उस दिन मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत उनका विवाह विधिविधान से सम्पन्न कराया जाएगा। आज 13 जनवरी को मुख्यमंत्री के सुकमा प्रवास के दौरान वहां के मिनी स्टेडियम में इन चारों आत्मसमर्पितों का विधि-विधान से विवाह मुख्यमंत्री श्री साय की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ, जिसके साक्षी वहां मौजूद हजारों-हजार लोग बने। सभी ने नवदम्पत्तियों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। ज्ञात रहे कि गगनपल्ली गांव के रहने वाले मौसम महेश और डुब्बामरका की रहने वाली हेमला मुन्नी तथा कन्हाईपाड़ निवासी मड़कम पाण्डू और सल्लातोंग की रव्वा भीमे ये चारों पहले नक्सली संगठन से जुड़े हुए थे। छत्तीसगढ़ सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर इन चारों ने जून 2024 में नक्सल हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण कर दिया था। मौसम महेश लगभग बारह साल तक नक्सल संगठन से जुड़े रहे। मड़कम पाण्डू और हेमला मुन्नी 9 साल तक तथा रव्वा भीमे 6 साल तक नक्सल संगठन और उसकी गतिविधियों से जुड़ी रहीं। परिणय सूत्र में आबद्ध होने के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आशीर्वाद प्राप्त करके हुए महेश-हेमला और मड़कम-रव्वा ने बताया कि उन्हें रास्ता भटकने और हिंसा में संलिप्त रहने का बेहद अफ्सोस है। छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल पुनर्वास नीति और नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर वे चारों विकास और शांति की मुख्य धारा में शामिल होने का फैसला लिया। उनका कहना था कि सरकार की जनहितैषी नीतियों से प्रभावित होकर विभिन्न नक्सल संगठनों से जुड़े कई युवा साथी आत्मसमर्पण कर चुके हैं और कई साथी आत्मसमर्पण करने का मन बना चुके हैं। उनका कहना था कि छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सलियों को मुख्यधारा में लौटने और समाज में सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर दिया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को रोजगार, मकान और पुनर्वास के लिए आर्थिक सहायता मिल रही है। यह कहानी न केवल प्रेम की जीत की है, बल्कि छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल पुनर्वास नीति की सफलता का प्रतीक है। परिणय सूत्र में आबद्ध होकर इन चारों युवक-युवतियों ने यह साबित कर दिया है कि प्यार, विश्वास और सहानुभूति से नफ़रत और हिंसा को हराया जा सकता है।

महतारी वंदन योजना से हमारी माताओं और बहनों के चेहरे पर आई मुस्कान हमारे कार्य की सार्थकता - विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री ने कोंडागांव जिले को दी 2 अरब 88 करोड़ 18 लाख रूपए के 168 विकास कार्यों की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हमारी सरकार ने एक साल पूरे कर लिये हैं और इस एक साल के दौरान हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा दी गई गारंटी के अनुरूप हमने हर वर्ग से जुड़े वायदों को पूरा किया है। हम हर महीने महतारी वंदन योजना की राशि माताओं और बहनों के खाते में भेज देते हैं। पहली तारीख को ही जब हमारी माताओं और बहनों के मोबाइल में मैसेज आता है तो उनके चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। माताओं-बहनों के चेहरे पर आई यह मुस्कान ही हमारे कार्य की सार्थकता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज कोंडागांव जिला मुख्यालय में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश भर में हम लगभग 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ दे रहे हैं। एक साल में हमारी सरकार ने कोंडागांव जिले के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये और इस पर तेजी से क्रियान्वयन किया है। इसी कड़ी में आज हमने यहां 288 करोड़ रुपए के 168 कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया है। इन कार्यों में 208 करोड़ रुपए की राशि के 130 कार्यों का लोकार्पण एवं 80 करोड़ रुपए के 38 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। साथ ही इस मौके पर हम 58 लाख रुपए की राशि के हितग्राहीमूलक कार्यों के चेक और सामग्री भी वितरण कर रहे हैं। इसमें कोंडागांव जिले की 1 लाख 28 हजार माताओं-बहनों को योजना का लाभ मिल रहा है। माताएं-बहनें इस योजना का उपयोग बहुत कुशलता से कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ में महिलाओं के बीच लोकप्रिय महतारी वंदन योजना के आने से 5 लाख महिलाओं ने डाकघर में मासिक बचत खाते आरंभ कर दिये हैं। यह केवल डाकघर के आंकड़े हैं। कुछ माताएं-बहनें अपनी राशि बैंक में जमा कर रही हैं।

कुछ अपने बच्चों की शिक्षा में निवेश कर रही हैं। साथ ही अपने सपनों को भी पूरा कर रही हैं। यह महिलाओं की आर्थिक आजादी की योजना है। महिलाओं को आर्थिक ताकत देने से समाज का तेजी से विकास होता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार की कृषि हितैषी नीतियों की वजह से किसान फिर से खेती में लौट आये हैं। इस बार 27 लाख से अधिक किसान भाइयों ने धान बेचने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। पिछले साल यह आंकड़ा 24 लाख 75 हजार का था। कोंडागांव जिले में अब तक 40 हजार से अधिक किसान भाई अपना धान बेच चुके हैं और अब तक हम 552 करोड़ रुपए का भुगतान कर चुके हैं। हमने कैबिनेट की पहली ही बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किये। लाखों लोगों का मकान का सपना पूरा हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोंडागांव जिले का विकास हम पूरी प्रतिबद्धता के साथ कर रहे हैं। दो महीने पहले जब मैं बस्तर विकास प्राधिकरण की बैठक में जगदलपुर आया था तो क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने केशकाल घाटी में सड़क के जीर्णोद्धार की माँग रखी। दो महीने के भीतर ही इसका जीर्णोद्धार कराया गया। पहले केशकाल धूलों की घाटी बन गई थी, अब यह पुनः फूलों की घाटी बन गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोंडागांव जिला अपनी शिल्प कला के लिए पूरी दुनिया में विख्यात है। यहां 1300 से अधिक शिल्पकार अपनी अद्वितीय कलाकृतियों का निर्माण करते हैं। इन कलाकृतियों को वैश्विक बाजार से जोड़ने आधुनिक तकनीक आवश्यक हैं। इसके लिए जिला प्रशासन ने इन्हें 3-डी प्रिंटिंग तकनीक से जोड़ने आईआईटी भिलाई के साथ एमओयू किया है। जिला प्रशासन द्वारा यूपीएससी, पीएससी एवं व्यापम जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग सुविधा प्रदान की जा रही है। यह बहुत अच्छी पहल है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे कोंडागांव की बिटिया कुमारी हेमबती नाग को जूडो खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया, जो हम सभी के लिए गौरव की बात है। मुख्यमंत्री श्री साय ने मुख्य कार्यक्रम स्थल में जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं के तहत सामग्री, उपकरण एवं चेक वितरित किया। कार्यक्रम के राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत लखपति दीदीयों को पुरस्कृत किया गया और हितग्राहियों को बैंक लिंकेज चेक प्रदान किया। हस्तशिल्प विभाग के स्टॉल में राष्ट्रीय बांस मिशन योजना अंतर्गत शिल्पकारों को बांस शिल्प औजार वितरण किया गया। ग्राम पंचायत बड़े राजपुर को सामुदायिक वनाधिकार पत्रक प्रदाय किया गया। इस अवसर पर उद्योग प्रभारी मंत्री लखनलाल देवांगन, वन मंत्री केदार कश्यप, बस्तर सांसद महेश कश्यप, कांकेर सांसद भोजराज नाग, विधायक जगदलपुर किरण देव, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम सहित जिले के वरिष्ठ जनप्रतिनिधिगण, जिला प्रशासन के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ विकास प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केन्द्र

जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी में आयोजित की जा रही क्विज प्रतियोगिता में युवाओं ने दिखाया उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में चल रहे छत्तीसगढ़ राज्य युवा महोत्सव में जनसपंर्क विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी लोगों के बीच आकर्षण का केन्द्र बन रही है। इस विकास प्रदर्शनी में पिछले एक वर्ष में छत्तीसगढ़ में हुए विकास कार्यों को मॉडल और छायाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है, इसके अलावा शिल्प ग्राम भी बनाया गया है। जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के मद्देनजर क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है।

इस क्विज प्रतियोगिता में युवा उत्साह से हिस्सा ले रहे हैं। क्विज प्रतियोगिता में शासकीय योजनाओं से संबंधित प्रश्न पूछे जा रहे हैं। क्विज का सही जवाब देने वाले युवाओं को उपहार भी दिए जा रहे हैं। क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने वाले युवाओं को मुख्यमंत्री जी से सीधे जुड़ने डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर बार कोड को स्कैन कर जुड़ने जागरूक किया जा रहा है, इस लिंक में मुख्यमंत्री जी के ट्यूटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, वेबसाइट, यूट्यूब से जुड़कर राज्य शासन की प्रतिदिन होने वाले आयोजनों, कार्यक्रमों, योजनाओं की सटीक और सही जानकारी तत्काल प्राप्त हो सकेगी। इस प्रयास की युवा तारीफ भी कर रहे हैं।

साइंस कॉलेज मैदान में बनाए गए छत्तीसगढ़ शिल्पग्राम में विभिन्न प्रकार के हस्तशिल्प कोसा, खादी आदि के स्टॉल लगाए गए हैं। छत्तीसगढ़ माटी कला बोर्ड, छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोउद्योग, के साथ ही हस्तशिल्प, बांस शिल्प, मिलेट, हर्बल उत्पाद के स्टॉल लगाए गए हैं। इसके अलावा खेल एवं युवा कल्याण रोजगार एवं प्रशिक्षण, कृषि तथा जैव प्रौद्योगिकी, वाणिज्य एवं उद्योग, स्कूल एवं उच्च शिक्षा, पर्यटन, नगरीय प्रशासन, कौशल विकास और ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950